

राफेल की रफ्तार पर सूर्यकिरण का रोमांच भारी

♦ लड़ाकू विमानों ने दिखाई ताकत, सूर्यकिरण ने लूट ली महफिल
♦ नौ विमानों की एक साथ उड़ान, हैरतअंगेज कलाबाजियां और तिरंगे की रंगीन लकीरों ने बांधा समां

सुरेश गांधी
वाराणसी। गंगा की लहरें थीं, काशी के घाट थे और ऊपर नीले आसमान में हिंदुस्तान के शौर्य की जीवंत तस्वीर। राफेल की गर्जना ने रोमांच जगाया, सुखोई की उड़ान ने ताकत का अहसास कराया और तेजस ने स्वदेशी सामर्थ्य की झलक दिखाई। मगर नमो घाट पर शनिवार को सजे भारतीय वायुसेना के हवाई प्रदर्शन विंग्स ओवर गंगा में सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम ने अपने अद्भुत करतबों से ऐसी छाप छोड़ी कि पूरा शो मानो उसी के नाम हो

गया। नौ विमानों का एक साथ आसमान में उतरना, पलक झपकते बदलती संरचनाएं और हवा में उभरती रंगीन लकीरें दर्शकों के लिए रोमांच का अविस्मरणीय अनुभव बन गई। यह केवल विमानों की उड़ान नहीं थी, बल्कि अनुशासन, एकाग्रता, साहस और सामूहिक कौशल का ऐसा प्रदर्शन था, जिसमें हर पल खतरे और संतुलन के बीच एक महीन रेखा पर विजय हासिल करनी होती है। सूर्यकिरण के विमानों ने जब एक साथ करवट बदली, आसमान में गोलाकार संरचनाएं बनाईं और फिर नई आकृतियों में ढलते चले गए तो दर्शकों की निगाहें मानो वहीं ठहर गईं।

आसमान में संधे कदमों से लिखी शौर्यगाथा: सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम की असली खूबसूरती उसके विमानों की संख्या में नहीं, बल्कि उनके बीच अद्भुत तालमेल में छिपी है। एक विमान की दिशा बदलने के साथ दूसरे विमान



को अपनी गति, दूरी और स्थिति का सटीक आकलन करना होता है। यहां चूक की कोई गुंजाइश नहीं। हर मोड़, हर गोता और हर कलाबाजी के पीछे वर्षों का अभ्यास, कठोर प्रशिक्षण और पायलटों के बीच अटूट भरोसा काम करता है। हॉक एमके-132 विमानों से सजी सूर्यकिरण टीम भारतीय वायुसेना की



पेशेवर दक्षता का प्रतीक है। इसकी उड़ानें बताती हैं कि आसमान पर अधिकार केवल इंजन की ताकत से नहीं, बल्कि उसे नियंत्रित करने वाले कौशल, सूझबूझ और अनुशासन से हासिल होता है। जब विमानों के पीछे केसरिया, सफेद और हरे रंग की लकीरें उभरीं तो नीले आकाश की तिरंगे की छटा ने दृश्य को देशभक्ति

प्रदर्शन भारतीय वायुसेना की विविध ताकत का परिचय कराता रहा। मिराज-2000 और चिन्कू जैसे विमानों की मौजूदगी ने भी दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाई। इन विमानों का महत्व केवल उनकी रफ्तार या आकार में नहीं है। आधुनिक युद्ध में हवाई श्रेष्ठता, सटीक निशाना साधने की क्षमता, लंबी दूरी तक कार्रवाई और अलग-अलग परिस्थितियों में मिशन पूरा करने की दक्षता निर्णायक भूमिका निभाती है। एयर शो ने इन क्षमताओं की झलक को आम लोगों के सामने सजीव कर दिया। फिर भी शनिवार के प्रदर्शन की सबसे खास बात यह रही कि जहाँ लड़ाकू विमानों ने अपनी शक्ति का अहसास कराया, वहीं सूर्यकिरण ने उस शक्ति को साधने वाले मानवीय कौशल और सामूहिक अनुशासन को केंद्र में ला दिया। जब गंगा बनी शौर्य की साक्षी: काशी में गंगा केवल नदी नहीं, जीवन और आस्था की अनवरत धारा है। उसके घाटों पर

सदियों से संस्कृति, अध्यात्म और परंपरा का उत्सव सजता आया है। शनिवार को उसी गंगा के ऊपर भारतीय वायुसेना ने आधुनिक भारत के आत्मविश्वास की नई तस्वीर उकेरी। नमो घाट से लेकर आसपास के घाटों तक आसमान की ओर उठती निगाहें इस आयोजन के आकर्षण की गवाही दे रही थीं। बच्चों के लिए यह कौतूहल और रोमांच का अवसर था, युवाओं के लिए आधुनिक सैन्य शक्ति को करीब से देखने का अनुभव और बुजुर्गों के लिए बदलते भारत की सामर्थ्य का दृश्य। गंगा की धारा के ऊपर विमानों की गर्जना और आकाश में उभरती रंगीन लकीरों ने परंपरा और आधुनिकता के बीच एक अनुठा संवाद रच दिया। नीचे सदियों पुरानी काशी थी और ऊपर नए भारत के सैन्य कौशल का प्रदर्शन।

सिर्फ करतब नहीं, भरोसे और तैयारी का संदेश: एयर शो की चमक-दमक के पीछे पायलटों का

कठोर प्रशिक्षण, तकनीकी दलों की सतर्कता, मौसम का आकलन और सुरक्षा की व्यापक तैयारी होती है। सूर्यकिरण की उड़ान विशेष रूप से यह समझाती है कि सामूहिक लक्ष्य हासिल करने के लिए हर सदस्य का अनुशासन कितना महत्वपूर्ण है। आसमान में एक साथ उड़ते नौ विमान तभी एक सुंदर संरचना बना पाते हैं, जब हर पायलट अपने कौशल के साथ पूरी टीम की स्थिति और गति पर भी नजर रखता है। यही सामूहिकता किसी भी मजबूत संगठन की बुनियाद है। शनिवार को नमो घाट पर राफेल की गर्जना ने भारत की ताकत सुनाई, सुखोई और तेजस ने सामर्थ्य का परिचय दिया, लेकिन सूर्यकिरण ने आसमान पर ऐसी छाप छोड़ी कि विंग्स ओवर गंगा की यादों में सबसे चमकीला रंग उसी का दिखाई दिया। गंगा की लहरें बहती रहीं, आसमान में लकीरें मिटती रहीं, मगर काशी के जेहन में शौर्य का वह दृश्य देर तक ठहर गया।

JDU का अनंत सिंह पर बड़ा एक्शन, 6 साल के लिए पार्टी से निकाला

पटना, 24 अक्टूबर। जनता दल (यूनाइटेड) ने भोकामा के विधायक अनंत कुमार सिंह को अनुशासनहीनता के आरोपों और हाल ही में संपन्न हुए बिहार विधान परिषद चुनावों में पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ प्रचार करने के कारण 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। साथ ही, उनकी प्रार्थमिक सदस्यता भी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई है। सिंह ने JD(U) उम्मीदवार नीरज कुमार का विरोध किया था और 'जन सुराज' के उम्मीदवार अनुज सिंह का समर्थन किया था। पार्टी अब विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार से औपचारिक रूप से सिफारिश करेगी कि सिंह को विधायक के पद से अयोग्य घोषित किया जाए।

बिहार JDU अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा द्वारा जारी एक आदेश में,



पार्टी ने सिंह पर बार-बार निदेशों की अवहेलना करने और शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ अनुचित व अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। JDU के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार और कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा के संदेशों के बावजूद, सिंह ने नीरज कुमार के खिलाफ अपना प्रचार जारी रखा। इस मामले पर ललन सिंह चुप रहे। अनंत सिंह को पार्टी से निकालने का फैसला शनिवार को ललन सिंह और नीतीश कुमार की मुलाकात के बाद लिया गया। उनकी पत्नी नीलम देवी

को भी छह साल के लिए पार्टी से निकाल दिया गया है और उनकी प्रार्थमिक सदस्यता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गई है।

शनिवार को विधायक अनंत सिंह ने अपने उस बयान से पलटी मार ली, जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश के समर्थन के लिए उन्होंने नौ लोगों की हत्या करवाई थी। उन्होंने कहा कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया। इसके बजाय, उन्होंने RJD पर आरोप लगाया कि जब बिहार में लालू प्रसाद सत्ता में थे, तब उनके नौ रिश्तेदारों की हत्या कर दी गई थी। विवाद में बुरी तरह फँसने के बाद, भोकामा क्षेत्र में अच्छा-खासा प्रभाव रखने वाले अनंत सिंह ने सफाई दी कि उनका मतलब यह था कि पिछली RJD सरकार के दौरान उनके परिवार के नौ सदस्यों की हत्या कर दी गई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट का अहम फैसला, आवारा जानवर सामने आने पर भी चालक लापरवाही से मुक्त नहीं

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि भारत में सड़क का इस्तेमाल करने वाले लोगों में यातायात अनुशासन का पालन नहीं करने और नियमों का सख्ती से पालन करने से बचने की प्रवृत्ति है। अदालत ने यह टिप्पणी करते हुए कहा कि अप्रत्याशित स्थिति के सिद्धांत का इस्तेमाल कर-के किसी चालक को लापरवाही के लिए दोषमुक्त नहीं किया जा सकता, भले ही सड़क पर कोई आवारा जानवर आ गया हो और वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया हो। अदालत ने कहा कि चालकों से अपेक्षा की जाती है कि वे ऐसे खतरों का पहले से अनुमान लगाएं और वाहन में सवार लोगों तथा सड़क का इस्तेमाल करने वाले अन्य लोगों को नुकसान से



बचाने के लिए उचित सावधानी बरतें।

अदालत ने आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इश्योरेंस कंपनी की अपील खारिज कर दी। कंपनी ने मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कुत्ते को टक्कर मारने से बचने की कोशिश में कार के सड़क के डिवाइडर से टकरा जाने

के बाद गंभीर रूप से घायल हुए सतीश चंद्र गुप्ता को ब्याज सहित 1.7 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया गया था। उच्च न्यायालय ने पांच अक्टूबर को अपने आदेश में कहा कि चालक की यह दलील कि उसने कुत्ते को बचाने के लिए कार मोड़ी थी, अपने आप में उसे लापरवाही के आरोप से मुक्त नहीं करती। अदालत ने कहा कि इस

मामले में खतरा किसी अन्य व्यक्ति के कारण नहीं, बल्कि एक आवारा पशु के अचानक सामने आ जाने से पैदा हुआ था। उसने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में भी चालकों को सतर्क रहना चाहिए और उचित सावधानी बरतनी चाहिए। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने कहा, दोनों ही स्थितियों में अचानक पैदा हुए खतरे की स्थिति मौजूद होती है। अदालत

राहुल गांधी और कांग्रेस पर बरसे नितिन नवीन, संविधान कमजोर करने का लगाया आरोप

रांची, 24 अक्टूबर। रांची में आयोजित भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के दौरान, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय राजधानी से विरोध-प्रदर्शन आयोजित कर रही है, जबकि वह राज्य में राजनीतिक अस्थिरता पैदा कर रही है और स्थानीय मुद्दों की अनदेखी कर रही है। मीडिया से बात करते हुए, नवीन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से झारखंड के मौजूदा राजनीतिक माहौल को चुनौती देने का आह्वान किया। उन्होंने स्थानीय मुद्दों की अनदेखी और राष्ट्रीय स्तर पर मंचे हंगामे के बीच का अंतर स्पष्ट किया।

उन्होंने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूँ कि हमें झारखंड में फैले अराजकता के माहौल के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई लड़नी



होगी। हमारे प्रदेश अध्यक्ष छात्रों से

जुड़े मुद्दों और उनके हालिया विरोध-प्रदर्शनों पर चर्चा करते रहे हैं। जब छात्र प्रदर्शन कर रहे थे, तब यहां के कांग्रेस नेताओं ने उनके समर्थन में एक शब्द भी नहीं कहा। फिर भी, वे दिल्ली में बैठकर

छात्रों और युवाओं की बात करने का दावा करते हैं। हम सभी को इस बात का पता होना चाहिए। कांग्रेस के शासनकाल में, मेडिकल परीक्षा प्रणाली पर 'माफिया राज' हावी था। हमने उस पूरी व्यवस्था को ही बदल दिया।

DAKS REHAB CENTRE

(PARALYSIS PHYSIOTHERAPY CENTER AND OLD AGE HOME)

Contact us: 9820519851

विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीवी नगर मुंबई-37

- * Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
- * बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
- * वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
- * DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
- * NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
- * चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
- * एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
- * पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
- * मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
- * विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
- * मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तियों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

मेवा भारती जौनपुर, काशी प्रांत
हाटा आयोजित

॥ श्री राम कथा ॥

दिनांक : 21 अक्टूबर 2026 से 29 अक्टूबर 2026

स्थान - बी. आर.पी. इंटर कॉलेज मैदान, जौनपुर

कथा समय - अपराह्न 3 बजे से सांय 6 बजे तक

भव्य कलश यात्रा एवं झांकी

दिनांक : 20 अक्टूबर 2026, सुबह 09:00 बजे से

हनुमान घाट से केराटवीर मंदिर
चहारसू चौराहा ओलन्दगंज,
पॉलिटेक्निक चौराहा,
वाजिदपुर तिराहा,
बी.आर.पी. इण्टर
कॉलेज, मैदान

कथा व्यास : परम्पूज्य
आचार्य शान्तनु जी
महाराज

आप सभी
रामचरणानुगामी भक्तजन
सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य आयोजक
ज्ञान प्रकाश सिंह

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस (25 अक्टूबर) पर विशेष कलाकार हैं स्वप्नद्रष्टा और शांतिपूर्ण भविष्य के शिल्पी



-ललित गर्ग

कला एवं कलाकार मानव सभ्यता की आत्मा है। यह वह अनंत भाषा है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने अंतरतम की संवेदनाओं, अनुभूतियों, विचारों और स्वप्नों को रूप, रंग, ध्वनि, शब्द, लय और भावों में अभिव्यक्त करता है। जब आदिम मानव-कलाकारों ने गुफाओं की दीवारों पर अपनी अनुभूतियों को चित्रित किया होगा, जब किसी कलाकार ने पत्थर को तराशकर उसमें आकृति का सौंदर्य खोजा होगा अथवा किसी ने प्रकृति की ध्वनियों से प्रेरित होकर पहली बार सुरों को साधा होगा, तभी से कला ने मानव जीवन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई होगी। कला की यात्रा वस्तुतः मानव चेतना के विकास, उसकी कल्पनाशीलता और उसकी संवेदनशीलता की यात्रा है। प्रत्येक वर्ष 25 अक्टूबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस इसी सुजनशील चेतना को सम्मान देने तथा समाज और सभ्यता के निर्माण में कलाकारों के योगदान को पहचानने का अवसर है। लेकिन इस दिवस की सार्थकता केवल कलाकारों का अभिन्नतन करने, चित्रकला प्रदर्शनीयों का आयोजन करने, संगीत समारोहों में भाग लेने अथवा कलाकृतियों की प्रशंसा करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। आज जब विश्व युद्धों की आशंकाओं, आतंकवाद, हिंसा, धार्मिक एवं वैचारिक टकराव, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और महाशक्तियों के वर्चस्ववादी संघर्षों से घिरा हुआ है, तब कला और कलाकार की भूमिका पहले से कहीं अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रश्न यह है कि क्या मनुष्य की तकनीकी प्रगति, आर्थिक समृद्धि और सैन्य शक्ति उसे अधिक शांतिप्रिय बना सकी है? यदि नहीं, तो निश्चित रूप से हमें उस मानवीय चेतना की ओर लौटना होगा, जो मनुष्य को केवल शक्तिशाली नहीं, बल्कि संवेदनशील, सहिष्णु और करुणाशील बनाती है। कला इसी चेतना का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। वर्तमान विश्व की विवर्धना यह है कि एक ओर विज्ञान ने दूरियों को समाप्त कर दिया है, संचार के साधनों ने दुनिया को एक वैश्विक परिवार का स्वरूप दिया है और आर्थिक संबंधों ने राष्ट्रों को परस्पर निर्भर बनाया है; दूसरी ओर मनुष्यों के बीच अविश्वास, घृणा और संघर्ष की दीवारों भी ऊँची होती जा रही हैं। युद्धभूमियों में बिखरे परिवार, आतंकवाद की चोट चढ़ते निर्दोष जीवन, विस्थापन की पीड़ा झेलते बच्चे और वर्चस्व की राजनीति में कुचले जाते छोटे राष्ट्र इस प्रश्न को सामने रखते हैं कि विकास का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या विकास केवल ऊँची इमारतों, आधुनिक हथियारों, विशाल बाजारों और कुत्रिम बुद्धिमत्ता तक सीमित है, अथवा उसका वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुंदर, स्वतंत्र और आनंदमय बनाना भी है? कला और कलाकार इस प्रश्न का उत्तर मनुष्य के हृदय में खोजते हैं। वे याद दिलाते हैं कि सभ्यता की महानता विनाश की क्षमता से नहीं, बल्कि सृजन, संरक्षण और सह-अस्तित्व की योग्यता से मापी जानी चाहिए।

राजनीति और कूटनीति जहाँ कई बार हितों, सीमाओं और शक्ति-संतुलन के गणित में उलझ जाती हैं, वहीं कला और कलाकार मनुष्य के साझा दुःख और साझा आनंद को सामने लाती है। एक चित्रकार युद्ध से उड़ा घर की तस्वीर बनाता है, तो उसमें किसी एक देश का नहीं, संपूर्ण मानवता का दर्द दिखाई देता है। एक संगीतकार जब करुणा से भरी धुन छेड़ता है, तो उसकी भाषा समझने के लिए किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं होती। किसी कवि की पंक्तियों में व्यक्त प्रेम, किसी नर्तकी की भाव-भंगिमा में झलकती पीड़ा और किसी मूर्तिकार की रचना में उभरती मानवीय गरिमा भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर हृदयों को जोड़ती है। यही कला की वह शक्ति है, जो शत्रुता के बीच संवाद, निराशा के बीच आशा और विभाजन के बीच आत्मीयता के पुल बना सकती है। कला और युद्ध के बीच का अंतर भी हमारे चिंतन का विषय है। युद्ध की मानसिकता दूसरे को पराजित करने में अपनी विजय खोजती है, जबकि कला दूसरे के अनुभव को समझने की दृष्टि प्रदान करती है। युद्ध सीमाओं पर दीवारें खड़ी करता है, कला उन दीवारों के पार झूँकना सिखाती है। हथियार शरीर को चायल करते हैं, किंतु घृणा मनुष्य की आत्मा की भी आहत करती है; कला उस आत्मा के घावों को भरने का प्रयास करती है। जहाँ हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है, वहीं सच्चा कलात्मक सृजन सहानुभूति और आत्ममंथन की प्रेरणा देता है। इसका अर्थ यह नहीं कि कला अकेले युद्ध रोक सकती है अथवा कलाकारों की अभिव्यक्ति मात्र से आतंकवाद समाप्त हो जाएगा। युद्धों की रोकने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, न्यायपूर्ण नीतियाँ, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी संस्थाएँ आवश्यक हैं। लेकिन इन प्रयासों को स्थायी आधार देने के लिए ऐसी मानवीय चेतना चाहिए, जो हिंसा को गौरव और शांति को कमजोरी न समझे। कला इसी चेतना के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में कला का संबंध केवल मनोरंजन से नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, आध्यात्मिकता और सामाजिक समरसता से भी रहा है। यहाँ संगीत साधना है, नृत्य भावों की अभिव्यक्ति है, साहित्य लोकमंगल की चेतना है और लोककला समुदायों की स्मृति एवं पहचान का जीवंत दस्तावेज है। जैन दर्शन का अहिंसा और अनेकांत का संदेश भी हमें सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दृष्टियों की विविधता का सम्मान आवश्यक है। अनेकांत की भावना कला की प्रकृति से मेल खाती है, क्योंकि एक ही दृश्य, घटना अथवा अनुभूति को अलग-अलग कलाकार भिन्न दृष्टिकोणों से अभिव्यक्त कर सकते हैं। इन विविध अभिव्यक्तियों को स्थान देना संवाद, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व को मजबूत करता है। इसके बावजूद आज कलाकारों के सामने अनेक चुनौतियाँ हैं। बाजार का दबाव कई बार कला को केवल लाभ और लोकप्रियता की कसौटी पर परखता है। त्वरित प्रसिद्धि की चाह, अभिव्यक्ति पर अनुचित प्रतिबंध, सांस्कृतिक असहिष्णुता और रचनात्मक स्वतंत्रता के प्रति संदेह कलाकार की संभावनाओं को सीमित कर सकते हैं। डिजिटल माध्यमों ने सृजन के अवसर बढ़ाए हैं, लेकिन सतही लोकप्रियता की प्रतियस्पर्धा ने गंभीर कलात्मक अभिव्यक्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। कलाकार का सम्मान केवल पुरस्कार देकर या उसकी रचना की प्रशंसा करके पूरा नहीं होता; उसे स्वतंत्र अभिव्यक्ति, गरिमापूर्ण आजीविका, उचित पारिश्रमिक और सुरक्षित रचनात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। साथ ही कलाकारों का दायित्व है कि वे अपनी स्वतंत्रता का उपयोग समाज में घृणा फैलाने के बजाय विवेक, संवेदना और संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए करें।

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस हमें इस दिशा में सामूहिक संकल्प लेने का अवसर देता है। विशेष रूप से नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि सृजनशीलता का सर्वोच्च उपयोग केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि समाज को अधिक न्यायपूर्ण, सुंदर और मानवीय बनाने में है। वास्तव में कला मनुष्य को यह विश्वास दिलाती है कि विनाश के अधकार के बीच भी सृजन का दीप जलाना जा सकता है। वह हमें सिखाती है कि जीवन का सौंदर्य दूसरों को पराजित करने में नहीं, उनके साथ मिलकर जीने में है; मित्रता का अर्थ केवल समान विचारों वालीं से निकटता नहीं, बल्कि भिन्नताओं के बावजूद सम्मान बनाए रखना है; और शांति का अर्थ केवल युद्ध का अभाव नहीं, बल्कि न्याय, स्वतंत्रता, करुणा और परस्पर विश्वास की उपस्थिति भी है। कलाकार अपने रंगों, स्वरों, शब्दों, मुद्राओं और कल्पनाओं से ऐसे विश्व की तस्वीर रच सकते हैं, जिसमें मनुष्य की पहचान उसकी जाति, भाषा, धर्म या राष्ट्रीयता से पहले उसकी मानवीय गरिमा से हो। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि जहाँ हथियार ध्वज पैदा करते हैं, वहाँ कला विश्वास जगाती है; जहाँ घृणा मनुष्यों को बाँटती है, वहाँ सृजन उन्हें जोड़ता है; और जहाँ युद्ध जीवन को उजाड़ते हैं, वहाँ कला जीवन को फिर से सुंदर बनाए का स्वप्न देती है। आज विश्व को केवल शक्तिशाली सेनाओं, सन्नद्ध अर्थव्यवस्थाओं और आधुनिक तकनीकों की ही आवश्यकता नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील कलाकार हृदयों की भी आवश्यकता है, जो शांति को जीवन का आदर्श बना सकें। कलाकार मानवता के ऐसे ही स्वप्नद्रष्टा और भविष्य के शिल्पी हैं। उनके सृजन को सम्मान देना वस्तुतः मनुष्यता के उज्ज्वल भविष्य का सम्मान करना है। जब कला जीवन का उत्सव बनेगी, संवेदना सामाजिक संस्कार बनेगी और सह-अस्तित्व वैश्विक जीवन-दृष्टि बनेगा, तभी पृथ्वी युद्धों की आशंकाओं से मुक्त होकर शांति, मैत्री, अहिंसा और सौंदर्य की साझा धाती बन सकेगी।



अशोक भाटिया

जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण आज इक्कीसवीं सदी के सबसे बड़े वैश्विक विमर्श बन चुके हैं। दुनिया भर के नीति-निर्माता, वैज्ञानिक और राष्ट्राध्यक्ष साल-दर-साल बड़े-बड़े सम्मेलनों में बैठते हैं, पर्यावरण को बचाने की कसमें खाते हैं और नई प्रतिबद्धताओं के घोषणापत्र जारी करते हैं। लेकिन इन भव्य आयोजनों की चमक-दमक के पीछे एक ऐसा कड़वा सच छिपा है, जिसे वैश्विक मंचों पर अक्सर दबाने की कोशिश की जाती है। यह कड़वा सच है 'जलवायु न्याय' का अभाव और विकसित देशों का वह ऐतिहासिक पाखंड, जिसने आज पूरी दुनिया को विनाश की कगार पर ला खड़ा किया है। सदियों से चले आ रहे इस पाखंड को दुनिया के सामने पूरी तार्किकता और आक्रामकता के साथ बेनकाब करने का काम हाल ही में भारत ने किया है। जर्मनी में आयोजित 'बर्लिन ग्लोबल डायलॉग' के प्रतिष्ठित मंच से भारत के केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पश्चिमी देशों के दोहरे मापदंडों पर जो तीखा प्रहार किया, उसने वैश्विक पर्यावरण राजनीति की चूल् में हिला दी हैं। पीयूष गोयल ने बिना किसी हिचकिचाहट के विकसित देशों के प्रतिनिधियों के सामने यह स्पष्ट और दो-टुक सवाल दगा कि आखिर इस पूरी गड़बड़ी के लिए असली जिम्मेवार कौन है। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि ओजोन परत

को नुकसान किसने पहुँचाया, वातावरण में यह सारा जहरीला कार्बन किसने भेजा, यह पूरी समस्या पश्चिमी और विकसित देशों की ही पैदा की हुई है। पीयूष गोयल का यह बयान केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह उन अरबों लोगों की आवाज है जो बिना किसी गलती के विकसित देशों के ऐतिहासिक पापों का सामाजिक और आर्थिक दंड भुगतने के लिए मजबूर किए जा रहे हैं।

यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटें और औद्योगिक क्रांति के दौर से लेकर आज तक के आंकड़ों का निष्पक्ष विश्लेषण करें, तो जिम्मेदार और पीड़ित का अंतर साफ नजर आता है। आज जो देश खुद को पर्यावरण का मसीहा घोषित कर रहे हैं और विकासशील देशों को उपदेश दे रहे हैं, उन्होंने अपनी समृद्धि की इमारत जीवाश्म ईंधन की अंधाधुंध भट्टी पर खड़ी की है। यूरोप और अमेरिका ने सदियों तक कोयले, तेल और गैस का बेहताशा इस्तेमाल करके अपने उद्योगों को चमकाया, अपने नागरिकों को विलासिता का जीवन दिया और अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत किया। उस दौर में न तो उन्हें कार्बन उत्सर्जन की चिंता थी और न ही पृथ्वी के बढ़ते तापमान की। आज वातावरण में मौजूद ग्रीनहाउस गैसों का एक बहुत बड़ा हिस्सा इन्हीं विकसित देशों की ऐतिहासिक देन है। दूसरी ओर, भारत जैसे देश का इतिहास देखें, तो हमारी संस्कृति और जीवाश्महीन हथिया से प्रकृति के साथ सामंजस्य बिटाकर जीने की रही है। आंकड़ों के आँदों में यह सच साफ झलकता है कि भारत दुनिया की लगभग सत्रह प्रतिशत आबादी का घर है, लेकिन वैश्विक ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन में हमारा योगदान तीन प्रतिशत से भी कम है। वर्तमान भी हमें अहंसेत भागीदार के प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन, किसी भी यूरोपीय या अमेरिकी नागरिक के उत्सर्जन के मुकाबले एक बेहद छोटा



हिस्सा मात्र है। ऐसे में यह सवाल उठना पूरी तरह न्यायसंगत है कि जिस

हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति मार्गदर्शन

औद्योगिक विकास की मलाई विकसित देशों ने खाई, उसका सामाजिक और आर्थिक दंड भारत का गरीब किसान, मजदूर और आम नागरिक क्यों भुगते? वैश्विक मंचों पर जब भी पर्यावरण संरक्षण के नियमों की बात आती है, तो विकसित देश बड़ी चतुराई से 'समान लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों' के सिद्धांत को दरकिनार करने की कोशिश करते हैं। साल २०१५ के ऐतिहासिक पेरिस जलवायु सम्मेलन में इस सिद्धांत को कानूनी रूप से स्वीकार किया गया था, जिसका सीधा मतलब था कि जिन्होंने पर्यावरण को ज्यादा नुकसान पहुँचाया है, वे इसके सुधार के लिए ज्यादा वित्तीय और तकनीकी जिम्मेदारी उठाएंगे। इसी सम्मेलन के तहत विकसित देशों ने वादा किया था कि वे विकासशील और गरीब देशों को स्वच्छ ऊर्जा उपानांने और कूर उद्वहन करेंगे। इस नए नियम से निपटने के लिए हर साल १०० अरब डॉलर की 'क्लाइमेट फंडिंग' प्रदान करेंगे। लेकिन इस वादे की हकीकत

चांदनी की चादर में लिपटा ब्रज, निधिवन में आज भी रास की परंपरा!



-सुरेश गांधी

कल्पना कीजिए उस रात की, जब आकाश में चंद्रमा अपनी पूरी आभा के साथ उतरता है। उसकी दुधिया चांदनी में वृंदावन की गर्मियां नहा उठती हैं। यमुना की लहरों पर चांदी-सी चमक बिखर जाती है। मंदिरों में बजते घंटे, मृदंग की थाप और राधे-राधे का संकीर्तन वातावरण को किसी दूसरी ही दुनिया में पहुँचा देते हैं। लगता है, जैसे प्रकृति ने अपनी सारी चंचलता समेटकर किसी अनेकड़ी बांसुरी की प्रतीक्षा में मौन साध लिया हो। यह शरद पूर्णिमा की रात है। वही रात, जिसे ब्रज की धार्मिक परंपरा श्रीराज की महारास लीला से जोड़कर देखती है। वही रात, जिसके साथ निधिवन के रहस्य की अनगिनत कथाएँ पीढ़ियों से चली आ रही हैं। मान्यता है कि जब संसार निद्रा में डूबता है, निधिवन में राधा और पश्याम की दिव्य लीला का विधान होता है। यहाँ के वृक्षों को गोपियों का रूप माना जाता है, उनकी परस्पर झुकी डालियों में प्रेम का भाव देखा जाता है और रात के सन्नाटे में भी भक्तों को मुरली की अनसुनी तान का अनुभव होता है। निधिवन की विशेषता यही

है कि यहाँ रहस्य का उत्तर खोजने से अधिक महत्वपूर्ण है उन आस्था को समझना, जिसने एक वन को प्रेम, समर्पण और दिव्यता के जीवंत शरीक में बदल दिया। वृंदावन की पावन भूमि पर स्थित निधिवन केवल पेड़-पौधों से घिरा एक धार्मिक स्थल नहीं है। ब्रज की श्रद्धा में यह वह स्थान है, जहाँ राधा-कृष्ण की निरंकुश लीला की स्मृति आज भी जीवित मानी जाती है। यहाँ के छोटे-छोटे, टेढ़े-मेढ़े और एक-दूसरे को और झुके वृक्ष पहली नजर में ही जिज्ञासा जगाते हैं। उनकी उलझी हुई शाखाएँ, परस्पर लिपटी लताएँ और असामान्य आकार प्रकृति को एक विशिष्ट दृश्यात्मक रूप देती हैं। ब्रजवासी मानते हैं कि ये वृक्ष साधारण वृक्ष नहीं, बल्कि वे गोपियाँ हैं, जो श्रीकृष्ण के प्रति अपने प्रेम और समर्पण के कारण यहाँ वृक्षरूप में विरामान हैं। लोकविश्वास के अनुसार, रात्रि में जब रासलीला होती है, तब यही वृक्ष गोपियों का रूप धारण कर लेते हैं और प्रभात होने पर पुनः स्थिर हो जाते हैं। यह धार्मिक मान्यता है, जिसका कोई स्वतंत्र वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। लेकिन आस्था के भूगोल में हर स्थान का महत्व केवल प्रमाणों से तय नहीं होता। कुछ स्थान अपने साथ ऐसी सांस्कृतिक स्मृतियाँ लेकर चलते हैं, जिनमें पीढ़ियों की श्रद्धा, लोककथाएँ और निधिवनिक अनुभव एक साथ आकार लेते हैं। निधिवन भी ऐसा ही स्थल है। यहाँ वृक्षों को देखने वाला व्यक्ति है, उनकी परस्पर झुकी डालियों में प्रेम का भाव देखा जाता है और रात के सन्नाटे में भी भक्तों को मुरली की अनसुनी तान का अनुभव होता है। निधिवन की विशेषता यही

में एक है सूर्यास्त के बाद परिसर को श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया जाना। दिन में जहाँ दर्शनार्थियों की आवाजाही रहती है, वहीं शाम होते ही यहाँ का वातावरण शांत होने लगता है। मंदिर और परिसर से जुड़ी धार्मिक व्यवस्थाओं के अनुसार, रात्रि में यहाँ लोगों के ठहरने की अनुमति नहीं होती। इसी परंपरा ने निधिवन के रहस्य को जनमानस में और गहरा किया है। स्थानीय मान्यताओं में कहा जाता है कि रात में यहाँ राधा-कृष्ण की रासलीला होती है। कुछ लोककथाएँ ऐसी भी सुनाई जाती हैं कि जो व्यक्ति इस दिव्य लीला को देखने का प्रयास करता है, वह उसे सहन नहीं कर पाता। कहीं मानसिक संतुलन खोने, तो कहीं अनिद्र होने की कथाएँ प्रचलित हैं। इन कथाओं को लेकर अलग-अलग विवरण मिलते हैं, लेकिन इन्हें प्रमाणित घटनाओं के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा।

शायद इसलिए कि मनुष्य सदियों से उस अनुभव की तलाश करता रहा है, जिसे शब्दों में पूरी तरह बांधा नहीं जा सकता। जहाँ प्रत्यक्ष दृष्टि की सीमा समाप्त होती है, वहाँ कल्पना, भक्ति और विश्वास का संसार शुरू होता है। निधिवन की रात इसी सीमा पर खड़ी दिखाई देती है। यहाँ रात के अंधेरे में क्या घटता है, इसकी पुष्टि करने के बजाय श्रद्धालु उस विश्वास को अपने भीतर संजोते हैं, जिसके अनुसार ब्रज की भूमि पर कृष्ण की लीला कभी समाप्त नहीं होती। उनके लिए निधिवन कोई बंद परिसर मात्र नहीं, बल्कि एक ऐसी आध्यात्मिक स्मृति है, जिसके द्वार सूर्यास्त के बाद भी बंद हो जाएँ, लेकिन जिसकी अनुभूति मन में बनी रहती है।

निधिवन की सबसे चर्चित विशेषताओं

धर्म परिवर्तन कर गयी सपा नेता ने अपनी एवं पार्टी की मुसीबत बढ़ाई

ग्रेटर नौएडा के दादरी थाने में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया उबाल आ गया है। उनके खिलाफ यह कानूनी कार्रवाई भड़काऊ भाषण देने और अवैध रूप से बाहरी फंडिंग हासिल करने के आरोपों के तहत की गई है। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ, जब दिल्ली के रानी झांसी रोड स्थित अंबेडकर भवन में भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा आयोजित 'धम्म दीप्प' कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल गया। इस वीडियो में समाजवादी पार्टी के प्रमुख चेहरा और प्रवक्ता राजकुमार भाटी को मंच पर हाथ उठाकर डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा 1956 में दी गई ऐतिहासिक 22 प्रतिज्ञाओं को दोहराते हुए देखा गया। इन प्रतिज्ञाओं में पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाजों को न मानने, ब्रह्मा-विष्णु-महेश और राम-कृष्ण को भगवान स्वीकार न करने तथा उनकी पूजा न

करने की कठोर शपथ शामिल थी। वीडियो के सामने आते ही भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी दलों ने समाजवादी पार्टी को 'हिंदू विरोधी' मानसिकता वाली पार्टी करार देते हुए चर्चताफा हमला बोल दिया, जिसने अंततः इस मामले को पुलिस थाने की चौखट तक पहुँचा दिया।

भाटी के इस यू-टून पर बहुजन और बौद्ध समूहों ने भी आपत्ति जताई है और इसे बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिज्ञाओं का अपमान बताया है। आलोचकों का कहना है कि जब कोई व्यक्ति सार्वजनिक रूप से 22 प्रतिज्ञाएँ लेता है, तो वह बौद्ध धम्म में दीक्षित माना जाता है, लेकिन पार्टी की डांट और राजनीतिक भविष्य के डर से भाटी अब अपने कदम पीछे खींच रहे हैं। दादरी पुलिस ने इस मामले में दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गहन जांच शुरू कर दी है, जिसमें भाषण की मूल रिकॉर्डिंग और उनके संगठन को मिलने वाली आर्थिक मदद के स्रोतों की कड़ियों को खंगाला जा रहा है। उत्तर प्रदेश के जलितग और धार्मिक समीकरणों को देखते हुए विवाद समाजवादी पार्टी के 'पीडीए' (पिंडीए, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के लिए एक बड़ी परीक्षा साबित हो सकता है।

वैसे, भारतीय राजनीति के



स्वदेश कुमार

इतिहास में यह कोई पहली घटना नहीं है, जब किसी नेता के धर्म बदलने या किसी दूसरे धर्म की ओर झुकने पर खतरे पर इतना बड़ा बवंडर खड़ा हुआ हो। राजनीति में रहते हुए धर्म परिवर्तन करने की सबसे बड़ी ओर ऐतिहासिक मिसाल खुद संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने पेश की थी। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने अपने लाखों समर्थकों के साथ हिंदू धर्म का त्याग कर बौद्ध धर्म अपना लिया था। उन्होंने महसूस किया था कि हिंदू समाज में व्याप्त छुआछूत और जातिवाद के दलदल से दलित समाज को मुक्ति दिलाने का यही एकमात्र रास्ता है। इसी ऐतिहासिक मौके पर उन्होंने वे 22 प्रतिज्ञाएँ तैयार की थीं, जिन्हें आज भी नव-बौद्ध अपनाते हैं और जिसे लेकर आज राजकुमार भाटी विवादों में घिरे हैं। बाबा साहब उस समय

देश के सबसे बड़े दलित नेता थे और उनके इस कदम ने भारत को सामाजिक और चुनौती राजनीति को हमेशा के लिए बदलकर रख दिया था। आधुनिक भारतीय राजनीति की बात करें तो दिल्ली सरकार में आम आदमी पार्टी के कद्दावर मंत्री रहे राजेंद्र पाल गौतम का मामला भी राजकुमार भाटी प्रकरण से हबबू मेल खाता है। अक्टूबर 2022 में दिल्ली के करोल बाग में आयोजित एक सामूहिक धम्म दीक्षा कार्यक्रम में राजेंद्र पाल गौतम शामिल हुए थे। उस कार्यक्रम में भी हजारों लोगों के साथ हिंदू देवी-देवताओं की पूजा न करने की यही 22 प्रतिज्ञाएँ दोहराई गई थीं। जैसे ही इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, भारतीय जनता पार्टी ने इसे सीधे तौर पर अरविंद केजरीवाल की पार्टी से जोड़कर चुनौती मुद्दा बना दिया। गुजरात चुनाव पास होने के कारण आम आदमी पार्टी को भारी राजनीतिक नुकसान का डर सताने लगा। भारी दबाव के बीच राजेंद्र पाल गौतम को न केवल अपने मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा, बल्कि बाद में उन्होंने आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया था। यह घटना दशाती है कि लोकतांत्रिक राजनीति में जब कोई नेता अपने धार्मिक विश्वासों को सार्वजनिक

है, जहाँ उत्पादन के दौरान कार्बन उत्सर्जन अधिक होता है। पीयूष गोयल ने इस नीति की कड़ी आलोचना करते हुए इसे पूरी तरह से अनुचित और व्यापारिक भेदभाव की दीवार बना दिया है। एक तरफ तो पश्चिमी देश भारत को स्वच्छ ऊर्जा उपानांने के लिए वित्तीय मदद और सस्ती तकनीक नहीं देते, और दूसरी तरफ वे भारतीय उद्योगों पर कार्बन टैक्स लगाकर उनके निर्यात को पंगु बनाने की साजिश रचते हैं। यह भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं पर लगाया जाने वाला एक ऐसा सामाजिक और आर्थिक दंड है, जिसकी कोई कानूनी या नैतिक वेधता नहीं हो सकती। इसे यदि 'हरित उपनिवेशवाद' कहा जाए, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी, जहाँ पर्यावरण संरक्षण के नाम पर गरीब और विकासशील देशों के आर्थिक विकास का गला घोंटा जा रहा है।

भारत के सामने आज चुनौतियाँ दोहरी और बेहद जटिल हैं। एक तरफ हमें अपनी १.४ अरब से अधिक की आबादी को गरीबी के दृक्चक्र से बाहर निकालना है, उनके लिए रोजगार के अवसर पैदा करने हैं, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करनी है और चौबीसों घंटे बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएँ पहुँचानी हैं। इन सब कार्यों के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। दूसरी तरफ, वैश्विक दबाव और हमारी अपनी नैतिक प्रतिबद्धताओं के कारण हमें कार्बन उत्सर्जन को भी कम करना है। इस दोहरे मोर्चे पर भारत बिना किसी बड़ी बाहरी वित्तीय सहायता के जो काम कर रहा है, वह दुनिया के लिए एक मिसाल है। भारत आज वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा और सबसे तेज स्वच्छ ऊर्जा कार्यक्रम चला रहा है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और अब ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत ने जो प्रगति की है, उसने दुनिया को अर्चभित किया है। हमने अपनी स्थापित बिजली क्षमता का एक बड़ा हिस्सा गैर-जीवाश्म स्रोतों से हासिल करने का लक्ष्य

समय से पहले ही पूरा कर लिया है। लेकिन इस अभूतपूर्व प्रयास की एक बड़ी आर्थिक कीमत भारत को अपने आंतरिक संसाधनों से चुकानी पड़ रही है। जो पैसा देश के स्वास्थ्य, शिक्षा और ग्रामीण बुनियादी ढांचे पर खर्च होना चाहिए था, उसका एक बहुत बड़ा हिस्सा हमें जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बेअसर करने और स्वच्छ ऊर्जा ढांचे को खड़ा करने में लगाना पड़ रहा है।

अंततः, यह पूरी बहस इस बात पर आकर टिकती है कि क्या विश्व वास्तव में पर्यावरण को बचाना चाहता है या यह सिर्फ अमीर देशों द्वारा गरीब देशों को दबाने का एक नया हथियार है। यदि विकसित देशों की नीयत साफ है, तो उन्हें खोखली बयानबाजी और खोखले वादों के दायरे से बाहर आना होगा। उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि अतीत में उनके द्वारा किए गए अंधाधुंध दोहन के कारण ही आज पूरी मानवता संकट में है। पीयूष गोयल का बलिदान न दिया गया वक्तव्य वैश्विक राजनीति के लिए एक चेक-अप कॉल है, जो यह याद दिलाता है कि भारत अब किसी भी ऐसे अन्यायपूर्ण समझौते को स्वीकार नहीं करेगा जो उसके नागरिकों के सामाजिक और आर्थिक हितों के खिलाफ हो। पर्यावरण को बचाने की लड़ाई केवल विकासशील देशों के कंधों पर बंदूक रखकर नहीं लड़ी जा सकती। यदि पश्चिमी देश वास्तव में इस धरती को सुरक्षित देखना चाहते हैं, तो उन्हें बिना किसी शर्त के सस्ती, सुलभ तकनीक और वित्तीय सहायता विकासशील देशों को 'क्लाइमेट जस्टिस्ट' बना देना वैश्विक लड़ाई का मूल आधार नहीं बनाया जाता, तब तक पर्यावरण संरक्षण के नाम पर जो जाने वाली हर कोशिश बेधमानी होगी और भारत जैसे देश अपने विकास के अधिकार की रक्षा के लिए हर मंच पर इसी तरह अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे।

देखते हुए भक्त इसी आध्यात्मिक भाव को अनुभव करना चाहता है—एक ऐसा प्रेम, जिसमें मिलन का आनंद भी है और विरह की गहराई भी। वृंदावन की पहचान केवल उसके मंदिरों से नहीं, बल्कि उस वातावरण से भी है, जिसमें प्रकृति और भक्ति एक-को के पूरक दिखाई देते हैं। यमुना का तट, कुंजों की छाँव, मंदिरों के शिखर, संकरी गलियाँ और हर ओर गुंजता राधा-कृष्ण का नाम—ये सब मिलकर ब्रज की सांस्कृतिक पहचान बनाते हैं। शरद पूर्णिमा की रात इस पहचान को एक काव्यात्मक रूप देती है। कल्पना में यमुना की लहरें चंद्रमा की छवि को अपने भीतर समेट लेती हैं। हवा में हिलती पलियाँ मानो किसी अदृश्य ताल पर थिरकती हैं। मंदिरों से उठते शरद रात की शांति में दूर तक फैल जाते हैं। श्रद्धालु इस वातावरण में अपने आराध्य की उपस्थिति का अनुभव करते हैं। यह दृश्य किसी एक व्यक्ति के अनुभव तक सीमित नहीं रहता। सदियों से संतों, कवियों और भक्तों ने वृंदावन को प्रेम और माधुर्य की भूमि के रूप में चित्रित किया है। कृष्णभक्ति साहित्य में वृक्ष, लताएँ, यमुना, चंद्रमा और बांसुरी की प्राकृतिक तत्व नहीं, बल्कि भावों के वाहक बन जाते हैं। इसी साहित्यिक पारंपरा ने शरद पूर्णिमा की रात को भारतीय सांस्कृतिक चेतना में स्थायी स्थान दिया है। निधिवन इस पूरी कल्पना का केंद्र इसलिए बन जाता है, क्योंकि यहाँ प्रकृति के असामान्य आकार और धार्मिक परंपराएँ एक-दूसरे से जुड़ती दिखाई देती हैं। यहाँ का मौन भक्त को अपने भीतर उतरने का अवसर देता है।

मंच पर लाता है, तो उसकी कीमत उसके पूरे राजनीतिक करियर को चुकानी पड़ सकती है। इसी तरह दक्षिण भारत की राजनीति में द्रविड़ आंदोलन के अग्रदूत और करिश्माई नेता मुथुवेल करुणानिधि और ई.वो. रामासामी 'पेरियार' की विरासत ने हमेशा सभी और राजनीति के अंतर्संबंधों को चुनौती दी। हालांकि उन्होंने औपचारिक रूप से किसी संमतिधर्म को अपनाने के बजाय नास्तिकता का मार्ग चुना, लेकिन उनके परिवार और पार्टी के कई नेताओं ने समय-समय पर ईसाई या अन्य धर्मों के प्रति अपनी आस्था खुलकर व्यक्त की। आंध्र प्रदेश की राजनीति में वाई.एस. राजशेखर रेड्डी और उनके पुत्र वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी का परिवार भी राजनीति और धर्म के एक अलग समीकरण को पेश करता है। जगन मोहन रेड्डी का परिवार मूल रूप से हिंदू पृष्ठभूमि से आने के बावजूद ईसाई धर्म का अनुयायी है। जब वे सत्ता में आए, तो विश्वस ने उन पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम जैसे पवित्र हिंदू स्थलों के प्रबंधन में ईसाई एजेंडे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। राजनीति में रहते हुए अपनी धार्मिक पहचान को बदलना या एक विशिष्ट धार्मिक पहचान को बनाए रखना हमेशा से

ही चुनौती नफे-नुकसान का जरिया बनता रहा है। पूर्वोत्तर भारत के राज्यों, विशेषकर नागालैंड, मिजोरम और मेघालय में भी कई ऐसे जनजातीय नेता हुए हैं, जिन्होंने अपनी पारंपरिक लोक मान्यताओं या हिंदू-बौद्ध धर्मों को छोड़कर ईसाई धर्म अपनाया, ताकि वे स्थानीय बहुसंख्यक ईसाई आबादी के साथ खुद को जोड़ सकें। वहां की क्षेत्रीय राजनीति में धर्म का यह बदलाव नेताओं को सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ने में बेहद मददगार साबित हुआ। इसके विपरीत, उत्तर भारत की राजनीति पूरी तरह से सनतानी और रूढ़िवादी धर्मों से बुनी हुई है, जहाँ किसी भी स्थापित नेता द्वारा हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ एक शब्द भी बोलना या ऐसी किसी प्रतिज्ञा का हिस्सा बनना आत्मघाती कदम माना जाता है। यही कारण है कि राजकुमार भाटी जैसे कद्दावर समाजवादी चेहरे को भी अपनी राजनीतिक जमाने खिचकारी देख तुरंत बैकफुट पर आना पड़ा और खुद को एक 'सच्चा सनातनी हिंदू' साबित करने की होड़ में जुटना पड़ा। दादरी थाने की यह एफआईआर आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश की सिपासी फिजा में ध्रुवीकरण को कितना तेज करेगी, यह पुलिस की तपशील और अदालत के रूख पर निर्भर करेगा।

सूखे से मुक्ति की दिशा में जल संरक्षण का संकल्प, वनराई बांध निर्माण में सीईओ मनोज रानडे ने किया श्रमदान



पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले को सूखे की समस्या से मुक्त करने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान 2.0 के अंतर्गत वाडा तहसील के खडकोना गांव में वनराई बांध का निर्माण किया गया। इस कार्य में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने स्वयं श्रमदान कर सहभागिता दिखाई और ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी का संदेश दिया।

इस अभियान में अधिकारियों, कर्मचारियों और आम पंचायत प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर श्रमदान किया। वनराई बांध के निर्माण से बारिश के बहकर जाने वाले पानी को रोकने और उसे जमीन में समाने में मदद मिलेगी। इससे भूजल स्तर में सुधार होने, कुओं में पानी का भंडारण बढ़ने तथा खेती के लिए पानी की उपलब्धता बनाये रखने में सहायता मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवटे, जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) व्यंकटराव हुंडेकर, प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर, कार्यकारी अभियंता (लघु सिंचाई) दिलीप पाडवी, कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, पालघर पंचायत समिति के खंड विकास अधिकारी संजय भोये, मनरेगा के खंड विकास अधिकारी राजेश पाटील, समग्र शिक्षा के कार्यकारी अभियंता संतेश शिंदे तथा विस्तार अधिकारी राजू कोली सहित अन्य अधिकारी के अलावा ग्रामसेवकों, ग्राम पंचायत सदस्यों, आशा सेविकाओं और ग्राम पंचायत कर्मचारियों ने भी श्रमदान में सक्रिय भागीदारी निभाई।

वनराई बांध के माध्यम से वर्षा के पानी को रोककर उसका भूजल पुनर्भरण करने में मदद मिलेगी। इससे स्थानीय जलस्रोतों के संरक्षण, मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने और कृषि कार्यों के लिए पानी की उपलब्धता सुधारने में योगदान मिलने की संभावना है। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान 2.0 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जनभागीदारी के माध्यम से विकास कार्यों को गति देने के साथ ही जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। खडकोना में वनराई बांध के निर्माण से सरकारी तंत्र और ग्राम स्तर के प्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों के जरिए जल संरक्षण को प्रभावी बनाने का संदेश दिया गया। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में जलसंचय बढ़ाने और भविष्य में पानी की कमी की समस्या से निपटने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सेंट जॉन कॉलेज में 17 स्टार्ट-अप्स को मिला उद्यम पंजीकरण प्रमाणपत्र



पालघर(उत्तरशक्ति)। सेंट जॉन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, पालघर में शुक्रवार 23 अक्टूबर को ऋद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत उद्यम पंजीकरण प्रमाणपत्र सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा स्थापित 17 स्टार्ट-अप्स से जुड़े 123 युवा उद्यमियों को उद्यम पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये गये।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता, नवाचार और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करना तथा उनके व्यावसायिक विचारों को औपचारिक पहचान दिलाना था। समारोह में एंजेल एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष अल्बर्ट डब्ल्यू. डिसूजा ने युवाओं को नौकरी ढालने के साथ रोजगार सृजन की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. कमल शाह ने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, नए अवसरों की पहचान करने और चुनौतियों का सामना करते हुए अपने उद्यम विकसित करने के लिए प्रेरित किया। वित्त एवं लेखा संकाय के प्राध्यापक तथा प्रशिक्षक अमित जाधव ने बहीखाता प्रबंधन, जीएसटी, उद्यम पंजीकरण और नियामकीय अनुपालन के महत्व की जानकारी दी। इन स्टार्ट-अप्स में प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भू-स्थानिक सेवाओं, खाद्य, मीडिया, व्यापार, अवसरंजना और उपभोक्ता उत्पादों जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। पालघर में प्रस्तावित विभिन्न बड़ी अवसरंजनात्मक परियोजनाओं से भविष्य में व्यावसायिक अवसर बढ़ने की संभावनाओं के बीच स्थानीय युवाओं की यह पहल क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देने में सहायक हो सकती है। कार्यक्रम का समापन आयोजकों, प्राध्यापकों, अभिभावकों और ऋद्धि टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

भिवंडी के बागेश्वर धाम में 9 दिसंबर को 51 कन्याओं का होगा सामूहिक विवाह समारोह

भिवंडी। जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं के विवाह में सहयोग करने तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भिवंडी स्थित श्री बागेश्वर धाम सनातन मठ की ओर से 9 दिसंबर 2026 को 51 कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया जाएगा। मठ की ओर से पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित किए जा रहे इस समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। आयोजन की तैयारियों के संबंध में शनिवार, 24 अक्टूबर को मठ परिसर में सेवादारों और भक्तों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष भक्त उपस्थित रहे। इस दौरान समारोह की रूपरेखा और तैयारियों पर चर्चा की गई। उपस्थित भक्तों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए हरसंभव सहयोग करने का संकल्प लिया। मठ के प्रबंधक प्रशांत शुक्ला ने बताया कि श्री बागेश्वर धाम सनातन मठ की ओर से पहली बार इतने बड़े स्तर पर सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करने की पहल की जा रही है।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमाणसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल ऑटफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, ओर रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जबल, गेट क्रमांक 2, गोरोवा (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रुम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर यु समता सहकारी को. ऑ. ऑ. सांसाइटी, एमएमआरडी कॉलोनी कंजूरगाव (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमाणसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पत्रकारों पर हमले के विरोध में शिवसेना का बिगुल, 26 अक्टूबर से 16 वार्डों में जन आंदोलन

♦**मीरा-भायंदर मनपा की महासभा में 16 अक्टूबर को हुई घटना के विरोध में शिवसेना आक्रामक; 1 नवंबर को बकासुर के प्रतीकात्मक पुतले के जरिए विरोध जताने की घोषणा**

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका की 16 अक्टूबर 2026 को आयोजित महासभा के दौरान पत्रकारों और सभागार में उपस्थित नागरिकों के साथ कथित मापीट की घटना को लेकर शिवसेना ने आक्रामक रुख अपनाया है।

इस घटना से वार्ड स्तर पर शिवसेना ने सोमवार, 26 अक्टूबर से संबंधित 16 पार्श्वों के वार्डों में

जन आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि पत्रकारों की सुरक्षा, निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। शिवसेना की ओर से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला प्रमुख राजू भोईर ने आंदोलन की घोषणा की। इस अवसर पर महिला जिला संगठक निशा नावेंकर, महिला जिला संयोजक प्रीति पाटिल, मीरा रोड शहर प्रमुख संतोष गोले, उत्तर भारतीय जिला प्रमुख संदीप तिवारी, भायंदर पूर्व शहर संयोजक मनोज राणे, शिवसेना प्रकाश रामभुवन शर्मा तथा पूर्व नगरसेवक विजय राय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

26 अक्टूबर से वार्ड स्तर पर आंदोलन शिवसेना के घोषित कार्यक्रम के अनुसार, 26 से 31

विधायक दिलीप मामा लांडे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात कर लिया आशीर्वाद



मुंबई (उत्तरशक्ति)। चांदवली विधानसभा क्षेत्र के शिवसेना विधायक दिलीप मामा लांडे ने अपने जन्मदिन के अवसर पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री तथा शिवसेना के मुख्य नेता एकनाथ शिंदे के निवास पर सदिच्छा भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर विधायक दिलीप मामा लांडे के साथ नगरसेविका सौ. शैला दिलीप लांडे, नगरसेविका अश्विनी अशोक माटेकर, चांदवली विधानसभा

प्रमुख अशोक माटेकर, विधायक मुरजी पटेल, विधायक तुकाराम काते और अशोक पाटील सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे। जन्मदिन के अवसर पर हुई इस मुलाकात के दौरान उपस्थित गणमान्य लोगों ने दिलीप मामा लांडे को शुभकामनाएं दीं। इस सदिच्छा भेंट के माध्यम से शिवसेना के नेताओं और पदाधिकारियों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों की झलक देखने को मिली।

टोरेंट पावर के खिलाफ 26 अक्टूबर से काटेकर मैदान में आमरण अनशन की चेतावनी

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। शहर में बिजली वितरण करने वाली टोरेंट पावर कंपनी के खिलाफ आमरण अनसन की तैयारी जोरों पर है। बता दें कि कंपनी की कार्यप्रणाली को लेकर समय-समय पर धरना-प्रदर्शन और मोर्चे निकाले जा रहे हैं। इसी कड़ी में युवा समाजसेवक सुशील आवटे ने भी टोरेंट पावर के खिलाफ आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। सुशील आवटे ने घोषणा की है कि यदि उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो वे 26 अक्टूबर 2026 से कामतपुर स्थित स्वर्गीय मोतीराम काटेकर मैदान में आमरण भूख हड़ताल शुरू करेंगे। उनकी इस चेतावनी के बाद शहर में टोरेंट पावर की कार्यप्रणाली और बिजली



वितरण व्यवस्था को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। भिवंडी में टोरेंट पावर के खिलाफ लगातार उठ रही आवाजों के बीच सुशील आवटे का यह आंदोलन कंपनी और संबंधित प्रशासन के लिए नई चुनौती बन सकता है। अब देखना यह होगा कि प्रस्तावित आमरण अनशन से

वरिष्ठ पत्रकार के. रवि दादा का जन्मदिन अनोखे तरीके से अरब सागर में जहाज पर मनाया गया



मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता के. रवि (दादा) ने इस बार भी अपना जन्मदिन युनिक अंदाज में सभी तबके के लोगों को साथ में लेकर मनाया। बता दें कि इंडिया मीडिया लिंक और इवेंट्स मैनेजमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर के. रवि (दादा) ने अपना जन्मदिन मुंबई में जहाज पर अरब सागर के बीच रतन टाटाजी के ताज

पॅलेस हॉटेल के सामने मनाया। इस बर्थडे पार्टी में अभिनेता विश्वजीत सोनी मुंबई के विख्यात सोशल ऐक्टिविस्ट जमील चिश्ती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इसके अलावा नमस्तर पठान कुलकर्णी , अरुण वडनेरे , नितीन पाटील , प्रकाश दुपारगुडे , यशवंत मंगजी , प्रभुमन थोरात , कन्नु यादव , रमाकांत मुंडे , गायक मंगेश कुमार , वकील यशवंत ,



अक्टूबर तक संबंधित 16 पार्श्वों के वार्डों में विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। पार्टी के मुताबिक, प्रतिदिन दो वार्डों में शाम 7 बजे और रात 8 बजे आंदोलन आयोजित किए जाएंगे।

शिवसेना का कहना है कि इस आंदोलन के माध्यम से संबंधित पार्श्वों से महासभा में हुई घटना को लेकर जवाब मांगा जाएगा। साथ ही, आम नागरिकों के बीच इस मामले

को उठाकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी। पार्टी ने मीरा-भायंदर के नागरिकों, सामाजिक संगठनों और पत्रकारों से आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। शिवसेना पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ हैं और जनता की समस्याओं को सामने लाना उनका महत्वपूर्ण दायित्व है।

वर्ल्ड मिशन सोसाइटी चर्च ऑफ गॉड के स्वयंसेवकों ने पालकमंत्री गणेश नाईक से की मुलाकात

4 नवंबर को नवी मुंबई में होने वाले मेगा सफाई अभियान के लिए किया आमंत्रित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिला अधिकारी कार्यालय में 23 अक्टूबर 2026 को आयोजित जनता दरबार के दौरान वर्ल्ड मिशन सोसाइटी चर्च ऑफ गॉड के स्वयंसेवक सदस्यों ने महाराष्ट्र के पालघर जिले के पालकमंत्री एवं वरिष्ठ राज्य नेता गणेश नाईक से मुलाकात की। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया तथा पालघर जिले सहित महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में संस्था की ओर से किये जा रहे सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यों की जानकारी दी।

संस्था के स्वयंसेवकों ने बताया कि वर्ल्ड मिशन सोसाइटी चर्च ऑफ गॉड द्वारा प्रत्येक महीने स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर और वृक्षारोपण जैसे सामाजिक कार्यक्रम



आयोजित किये जाते हैं। इन अभियानों का उद्देश्य समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता में सहयोग करना तथा पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करना है। इस दौरान संस्था

ऐसे में पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटना को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। 1 नवंबर को बकासुर के प्रतीकात्मक पुतले के जरिए विरोध शिवसेना ने आंदोलन के अंतिम चरण में रविवार, 1 नवंबर को बकासुर के प्रतीकात्मक पुतले के जरिए विरोध जताने की घोषणा की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि शहर में भूखंड मालिकों और आदिवासियों की जमीनों पर कब्जे, गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाने तथा भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर जनता को जवाब मिलना चाहिए।

पार्टी नेताओं ने इन आरोपों को उठाते हुए कहा कि कथित अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता की आवाज बुलंद की जाएगी। शिवसेना ने स्पष्ट किया कि बकासुर के प्रतीकात्मक विरोध के जरिए वे शहर

में कथित अनियमितताओं और दबंगई की प्रवृत्ति के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराएंगे। हालांकि, जमीन कब्जाने और भ्रष्टाचार से संबंधित आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि इस प्रेस विज्ञापित में उपलब्ध नहीं है। पत्रकारों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीरा रोड शहर प्रमुख संतोष गोले ने कहा कि पत्रकार समाज का दर्पण होते हैं और जनता के मुद्दों को सामने लाना उनका प्राथमिक कर्तव्य है।

उन्होंने आरोप लगाया कि 16 अक्टूबर को महानगरपालिका की महासभा के दौरान पत्रकारों और सभागार में उपस्थित नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार एवं मारपीट की गई। गोले ने कहा कि शिवसेना पत्रकारों पर हुए कथित हमले को बर्दाश्त नहीं करेगी और पत्रकारों के सम्मान एवं सुरक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

Garba & Gossip' में गरबा, गपशप और इनामों की धूम

♦30 हजार रुपये की ई साइकिल सहित चार साइकिलें, लैपटॉप और आकर्षक पुरस्कारों का वितरण ♦महेश गायकवाड़ की पहल पर युवाओं के लिए चार घंटे तक चला मनोरंजन का शानदार कार्यक्रम

कल्याण (उत्तरशक्ति)। युवा पीढ़ी को सांस्कृतिक मनोरंजन का अवसर देने और उनकी प्रतिभा को मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिवसेना के संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़ की पहल पर मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'Garba & Gossip' कार्यक्रम उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। चार घंटे तक चले इस मनोरंजक कार्यक्रम में गरबा, संगीत, आकर्षक वेशभूषा, लकी ड्रॉ और पुरस्कार वितरण जैसे विभिन्न आयोजनों ने युवक-युवतियों में खासा उत्साह भर दिया।

कार्यक्रम में प्रवेश द्वार पर प्रतिभागियों को प्रवेशिका वितरित की गई थीं। इन्हीं प्रवेशिकाओं के



आधार पर कार्यक्रम के अंतिम चरण में लकी ड्रॉ निकाला गया। इसमें भाग्यशाली युवक-युवतियों का चयन कर उन्हें विभिन्न आकर्षक उपहार प्रदान किए गए। पुरस्कारों में करीब 30 हजार रुपये कीमत की एक ई-साइकिल, तीन अन्य साइकिलें और एक लैपटॉप सहित कई आकर्षक उपहार शामिल थे।

गरबा और आकर्षक वेशभूषा का भी हुआ सम्मान: कार्यक्रम का आकर्षण केवल लकी ड्रॉ तक सीमित नहीं रहा। गरबा प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीतने वाले प्रतिभागियों के साथ ही बेहतरीन वेशभूषा प्रस्तुत करने वाले व्यक्तिगत प्रतिभागियों और समूहों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विजेताओं को आयोजक महेश गायकवाड़ और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के हाथों पुरस्कार

एवं आकर्षक सम्मानचिह्न प्रदान किए गए। 'Garba & Gossip' की संकल्पना के माध्यम से पारंपरिक गरबे की रंगत और युवा पीढ़ी की पसंद के मनोरंजन का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के साथ ही उनमें सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रति रुचि और सहभागिता बढ़ाना था।

मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन की विशेष पहल: इस चार घंटे के मनोरंजक समारोह को सफल बनाने के लिए मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन के पदाधिकारियों, कार्यक्रम आर्गैनीजर्स और महिला आघाड़ी ने विशेष मेहनत की। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, आकर्षक पुरस्कारों और मनोरंजन से भरपूर गतिविधियों के चलते 'Garba & Gossip' कार्यक्रम युवा पीढ़ी के लिए यादगार बन गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर नशामुक्त भारत का संदेश लेकर निकाली गई मोटरसाइकिल रैली

□**मीरा-भायंदर, वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की पहल; विद्यार्थियों ने नशे के दुष्परिणामों पर प्रस्तुत किए जनजागरूकता कार्यक्रम**

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय एकता दिवस एवं नशामुक्त भारत अभियान के तहत मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की ओर से नशामुक्ति और सामाजिक जनजागरूकता का संदेश आम जनता तक पहुंचाने के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक के मार्गदर्शन में शनिवार, 24 अक्टूबर 2026 को मीरा रोड स्थित भारततर लता मंगेशकर नाट्यगृह में मोटरसाइकिल रैली एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा उन्हें नशे से दूर रहकर स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित



करना है। गुजरात के केवडिया तक पहुंचेगा नशामुक्त का संदेश पुलिस की ओर से जारी विज्ञापित के अनुसार, राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर 2026 को गुजरात के केवडिया में मनाया जाएगा। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों के पुलिस बलों की मोटरसाइकिल रैली केवडिया पहुंचेगी। इसी राष्ट्रीय पहल के अंतर्गत महाराष्ट्र पुलिस भी नशामुक्ति और सामाजिक जागरूकता का संदेश व्यापक स्तर पर प्रसारित करने का प्रयास कर रही है। इस मोटरसाइकिल रैली में विभिन्न राज्यों के पुलिस दल शामिल हैं। प्रत्येक दल में कम से कम 15 से 20 सदस्य भाग ले रहे हैं। सभी दल 24 अक्टूबर को मुंबई में एकत्रित

होकर गुजरात के केवडिया के लिए रवाना हुए। विद्यार्थियों ने नशे के दुष्परिणामों पर दी प्रस्तुति मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के परिमंडल-1 की ओर से आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों ने नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए पथनाट्य एवं नृत्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में कनकिया इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज, आर.बी.के. ग्लोबल स्कूल, प्रवीण रोहिदास पाटील कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, एस.एन. पोरवाल हाईस्कूल तथा जे.एच. पोदार हाईस्कूल सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

मानीकलां हाल्ट के पास मिला शव, ढाई घंटे बाद हुई पहचान

आफताब आलम
मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी-अयोध्या रेलखंड पर मानीकलां हाल्ट के पास शनिवार सुबह वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आने से 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हलचल मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शुरुआत में युवक की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने करीब ढाई घंटे की मशकत के बाद उसकी शिनाख्त की। पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे मेहरावां और खेतासराय के बीच रेलवे किलोमीटर संख्या 847/35 से 847/37 के मध्य यह हादसा हुआ। बताया गया कि युवक वंदे भारत ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक की पहचान आजमगढ़

जिले के बरदह थाना क्षेत्र के बेलवाना गांव निवासी शिवम यादव



(28) पुत्र जितेंद्र यादव के रूप में हुई। पुलिस ने पहचान होने के बाद परिजनों को घटना की जानकारी दी। युवक की मौत की खबर से परिवार में शोक का माहौल है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है। इसी आधार पर पुलिस आत्महत्या की आशंका को ध्यान में रखकर भी मामले की जांच कर रही है। हालांकि, अभी तक आत्महत्या की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस घटना से जुड़े

सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने

बताया कि मानीकलां हाल्ट के पास ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रारंभिक जानकारी में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है। शव की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस हादसे की परिस्थितियों और युवक की मौत के कारणों की जांच में जुटी है।

निदेशक नियोजन एवं विकास बने प्रो.रजनीश भास्कर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कैपस इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार और रखरखाव को लेकर महत्वपूर्ण नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। विश्वविद्यालय की व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर को तत्काल प्रभाव से 'निदेशक, नियोजन एवं विकास (सिविल एवं विद्युत कार्य)' का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जारी आदेश के अनुसार, प्रो. रजनीश भास्कर अपने वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ परिसर में सिविल और विद्युत अवसंरचना के

नियोजन, नए निर्माण, संचालन, तकनीकी परीक्षण और परम्पत कार्यों का पूरा समन्वय संभालेंगे। इसके साथ ही कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निदेशानुसार विश्वविद्यालय

पूर्वांचल विवि में सिविल और विद्युत कार्यों की मिली कमान

की 'भवन एवं निर्माण समिति' के गठन, पुनर्गठन और बैठकों की रूपरेखा तैयार कर निर्णय लागू कराने का काम भी देखेंगे। कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के लिए निदेशक के अधीन एक विशेष टीम का गठन किया गया है। इस टीम में

परामर्शी अधिशासी अभियंता आर. के. सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. सौरभ वी. कुमार, इंजीनियर मनीष गुप्ता, इंजीनियर धीरेन्द्र यादव, वरिष्ठ आशुलिपिक जितेंद्र पाण्डेय व कनिष्ठ सहायक हरि शंकर यादव तथा नितिन यादव को संबद्ध किया गया है।

आदेश के तहत निर्माण कार्यों की समयसीमा, गुणवत्ता, लागत और ऊर्जा संरक्षण पर विशेष नजर रखी जाएगी। योजना के अनुसार हर माह स्वीकृत लागत, व्यय, भौतिक प्रगति और सुधारात्मक कदमों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट कुलसचिव के माध्यम से कुलपति के समक्ष समीक्षा हेतु प्रस्तुत की जाएगी।

पांच मांगों पर लामबंद आयुष्मान मित्र, 26 अक्टूबर से कार्य बहिष्कार की चेतावनी

ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में सीएमओ को सौंपा ज्ञापन, लखनऊ में धरने का ऐलान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। न्यूनतम वेतन, सेवा बहाली और कैशलेस स्वास्थ्य बीमा समेत पांच सूत्रीय मांगों को लेकर आयुष्मान मित्रों ने 26 अक्टूबर से प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर लखनऊ में धरना-प्रदर्शन और अर्निश्चितकालीन कार्य बहिष्कार की घोषणा की।

आयुष्मान मित्रों का कहना है कि वे पिछले आठ वर्षों से प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सेवाएँ दे रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई है।

ये हैं पांच प्रमुख मांगें-
◆ न्यूनतम वेतनमान के आधार पर अलग बजट की व्यवस्था।
◆ थर्ड पार्टी

कंपनियों द्वारा हटाए गए कर्मचारियों की बहाली।
◆ सभी आयुष्मान मित्रों को जिला स्वास्थ्य समिति के माध्यम से सविदा पर नियोजित करना।
◆ पदनाम बदलकर 'आयुष्मान स्वास्थ्य अधिकारी' करना।
◆ आयुष्मान मित्रों और उनके परिवारों को कैशलेस इलाज की सुविधा देना।

आयुष्मान मित्रों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर 26 अक्टूबर से आंदोलन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन की प्रतिनिधि मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और संबंधित विभागीय अधिकारियों को भी भेजी गई है। ज्ञापन सौंपते समय तहसील और ब्लॉक स्तर के आयुष्मान मित्र उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के दौरे पर वाराणसी में ट्रैफिक डायवर्जन, कई मार्गों पर प्रतिबंध

25 अक्टूबर को बसों, ऑटो और ई-रिक्शा के संचालन में बदलाव, राजघाट पुल पर भी रहेगी रोक

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 अक्टूबर 2026 को वाराणसी दौरे को लेकर यातायात पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। वीवीआईपी आगमन, भ्रमण और प्रस्थान के मद्देनजर शहर के कई मार्गों पर डायवर्जन लागू रहेगा।

बाबतपुर की ओर से आने वाली बसों को हरहुआ रिंग रोड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

जौनपुर, गाजीपुर और आजमगढ़ से आने वाली बसें संदहा अंडरपास की ओर से वापस की जाएंगी, जबकि

चंदौली, प्रयागराज, सोनभद्र और मिर्जापुर से आने वाली बसों को मोहनसराय व टिकाना ढाबा से

सुविधाएँ तथा स्वच्छ वातावरण भी बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास की पहली सीढ़ी है। यहां बच्चों को खेल-खेल में सीखने, अपनी प्रतिभा निखारने और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से उपलब्ध कराई गई पुस्तकें, कहानी की किताबें और खिलौने बच्चों में पढ़ने की रुचि, कल्पनाशीलता तथा सीखने की क्षमता को बढ़ाने में सहायक होंगे। समाज के प्रत्येक व्यक्ति और संस्था को बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ, खुशहाल और शिक्षाप्रद वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

गोद लिए ग्राम सुल्तानपुर में बच्चों से किया संवाद, प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और स्वच्छता पर दिया जोर

भ्रमण के दौरान श्रीमती सोनिया सिंह ने आंगनबाड़ी केंद्र में उपलब्ध



सुविधाओं और बाल विकास से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र की सहायिका से बातचीत कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, प्रारंभिक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दीपावली के मद्देनजर अवैध आतिशबाजी के भंडारण और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए जौनपुर पुलिस की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में थाना कोतवाली पुलिस ने मोहल्ला बाजार भुआ स्थित एक रिहायशी मकान से पांच कुंतल अवैध आतिशबाजी के पटाखे बरामद किए हैं। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से अवैध पटाखों के भंडारण में लगे लोगों में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर अपराध की रोकथाम और

यूपी में प्रधानाध्यापक के 1,172 पदों पर भर्ती शुरु, 7 जनवरी को होगी परीक्षा

22 नवंबर तक जमा करें आवेदन शुल्क, ओटीआर पंजीकरण अनिवार्य, बालक विद्यालयों में 1,037 और बालिका विद्यालयों में 135 पद

लखनऊ/प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने हाईस्कूल स्तर के विद्यालयों में प्रधानाध्यापक के 1,172 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया है। विज्ञापन संख्या 09/2026 के तहत ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन की प्रक्रिया 23 अक्टूबर से शुरू हो गई है। आयोग की ओर से जारी विज्ञपि के अनुसार, कुल 1,172 पदों में बालक विद्यालयों के लिए 1,037 और बालिका विद्यालयों के लिए 135 पद निर्धारित किए गए हैं। भर्ती प्रक्रिया में आवेदन करने के लिए अभ्यर्थियों को सबसे पहले वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके बाद ही प्रधानाध्यापक पद के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा।

चंचल सिंह के घर पहुंचे कृपाशंकर, शशि सिंह को दी श्रद्धांजलि



पहुँचकर उनकी दिवंगत धर्मपत्नी श्रीमती शशि सिंह की तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ओम प्रकाश सिंह, पूर्व पुलिस अधीक्षक राम मोहन सिंह, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पत्रकार अमित पांडे तथा चंचल सिंह की सुपुत्री बेबी उपस्थित रहे। कृपाशंकर ने चंचल सिंह से मिलकर उन्हें सांत्वना देते हुए शोक संवेदना व्यक्त की। जिस समय वे चंचल सिंह से बात कर रहे थे, उसी समय जौनपुर के जिलाधिकारी सैमुअल पॉल का उन्हें फोन आया। जिलाधिकारी ने भी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सपा सांसद अफजाल अंसारी की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। सपा सांसद अफजाल अंसारी की शुक्रवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। पिछले तीन-चार दिन से बुखार से पीड़ित सांसद को शुक्रवार शाम सीने में दर्द की शिकायत हुई। इसके बाद उन्हें उल्टियाँ होने लगीं। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें एंबुलेंस से लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल ले गए, जहाँ उन्हें भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। सपा के वरिष्ठ नेता मुन्नन यादव ने बताया कि अफजाल अंसारी मुहम्मदाबाद स्थित अपने आवास पर थे। पिछले तीन-चार दिन से उन्हें बुखार आ रहा था। स्थानीय चिकित्सक से उनका उपचार चल रहा था। शुक्रवार शाम सीने में दर्द की शिकायत के साथ उन्हें तीन-चार बार उल्टी हुई। इसके बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सिंगरामऊ रियासत परिवार हमेशा सत्य,धर्म और न्याय के साथ खड़ा रहा: कृपाशंकर सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ रियासत परिवार हमेशा सत्य, धर्म और न्याय के साथ खड़ा रहा। कभी भी अपनी वसूलों के साथ समझौता नहीं किया यही कारण है कि आज भी जनता इस परिवार का पहले की तरह ही सम्मान करती है। कुंवर मृगेन्द्र



(शिव बाबा) सिंह को उनके जन्मदिन पर सत्यमेव जयते स्मृति चिन्ह देकर सम्मान करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि वे ईश्वर से इस परिवार की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रार्थना करते हैं। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता ओम प्रकाश सिंह, कुंवर जय सिंह , पूर्व पुलिस अधीक्षक राम मोहन सिंह तथा वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे उपस्थित रहे।

कोतवाली पुलिस की कार्रवाई, विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज



अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक नगर अनन्त चन्द्रशेखर

तथा सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी के निर्देशन और पर्यवेक्षण में कोतवाली

पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस टीम ने बाजार भुआ मोहल्ले में स्थित एक रिहायशी मकान से भारी मात्रा में आतिशबाजी के पटाखे बरामद किए। मौके से ऐसन रजा पुत्र मुनीर हसन, निवासी बाजार भुआ, थाना कोतवाली, जनपद जौनपुर को गिरफ्तार किया गया। बरामद पटाखों का कुल वजन पांच कुंतल बताया गया है।

इस मामले में पुलिस ने थाना कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 264/2026 के तहत विस्फोटक अधिनियम, 1885 की धारा

जौनपुर में मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए विशेष कैंप, डीएम ने किया निरीक्षण

युवा मतदाताओं और पंजीकरण से वंचित नागरिकों को फार्म-6 भरने के लिए किया गया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर निर्वाचक नामावली में पंजीकरण से छूटे नागरिकों तथा पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के उद्देश्य से शनिवार को जनपद के सभी मतदेय स्थलों पर विशेष कैंप आयोजित किए गए। इस दौरान पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए फार्म-6 प्राप्त किए गए।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी श्री सैमुअल पाल एन ने विशेष कैंप के दौरान विभिन्न मतदान स्थलों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय पालीताला मड़ियाहूँ के भाग संख्या 35 एवं 36, स्वामी विवेकानंद इंटरमीडिएट कलेज मड़ियाहूँ के भाग संख्या 79 से 86 तक, प्राथमिक विद्यालय फूलपुर पचोखर के भाग संख्या 393 एवं 394 तथा प्राथमिक विद्यालय मदारपुर पचोखर के भाग

संख्या 367, 390 एवं 391 पर संचालित कैंपों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं बृथ



लेवल अधिकारियों से मतदाता पंजीकरण कार्य की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कैंपों में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए निर्देश दिया कि पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए जागरूक किया जाए और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनके आवेदन प्राप्त किए जाएं। विशेष कैंप के अंतर्गत सभी बृथ लेवल अधिकारी अपने-अपने मतदेय स्थलों पर सुबह 10 बजे से

शाम 4 बजे तक उपस्थित रहकर मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के इच्छुक नागरिकों से फार्म-6 प्राप्त कर रहे थे।

पीयू का परीक्षा कैलेंडर जारी, 14 नवंबर से शुरू होंगी परीक्षाएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 की परीक्षाओं को निर्धारित समय पर संपन्न कराने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने परीक्षा कैलेंडर जारी कर दिया है। इस कैलेंडर में परीक्षा फॉर्म भरने, उनके सत्यापन और मुख्य सैद्धांतिक परीक्षाओं की तिथियां निर्धारित की गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र को नियमित रखते हुए परीक्षा, मूल्यांकन और परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को समन्वयित करना है।

जारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार, विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म भरने और उनके सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस निर्धारित अवधि में विद्यार्थियों को अपने परीक्षा फॉर्म भरने तथा संबंधित प्रक्रिया पूरी करने

का अवसर मिलेगा। वहीं, विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों और संबंधित विभागों को निर्धारित समय के भीतर परीक्षा फॉर्म के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

विश्वविद्यालय की ओर से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, विभिन्न पाठ्यक्रमों की मुख्य सैद्धांतिक यानी लिखित परीक्षाएँ 14

31 अक्टूबर तक भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म

नवंबर 2026 से आयोजित की जाएंगी। परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा से विद्यार्थियों को अपनी तैयारी व्यवस्थित करने और आगामी परीक्षाओं के लिए समय का बेहतर प्रबंधन करने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बीसीए, बीबीए, एलएलबी, बीएड, एमएड, बीपीएड, एलएलएम, बीएसएस

कृषि, एमएससी कृषि, बीपीईएस और बीएलआईबी पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की घोषणा के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक सूचना पर नजर रखनी होगी। परीक्षा कैलेंडर जारी होने के साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा फॉर्म भरने की निर्धारित समय-सीमा का ध्यान रखें और अपने पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा कार्यक्रम की जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित महाविद्यालय से जारी सूचनाओं का नियमित अवलोकन करें।

सांसद सीमा द्विवेदी ने नवनिर्मित अतिरिक्त कक्ष का किया लोकार्पण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ क्षेत्र के महदा स्थित पंडित शिव प्रसाद उपाध्याय वैद्य बाल शिक्षा निकेतन में राज्यसभा सांसद निधि से नवनिर्मित अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण मुख्य अतिथि एवं राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्य अतिथि सीमा द्विवेदी तथा विशिष्ट अतिथि ओम प्रकाश त्रिपाठी का उपस्थित लोगों ने माल्यापर्ण कर एवं अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत किया। इसके बाद सांसद निधि से निर्मित अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया गया।विद्यालय में अतिरिक्त कक्ष के निर्माण से विद्यार्थियों को पठन-पाठन के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होगा। इससे विद्यालय की

शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। यह



कार्यक्रम प्रोफेसर आर एन त्रिपाठी बीएचयू के सानिध्य में संपन्न हुआ कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक अमिनेश उपाध्याय, स्वागतकर्ता परसरनाथ उपाध्याय, डॉ ज्ञान प्रकाश मिश्र,लक्ष्मीकांत मिश्रा (पूर्व मंडल अध्यक्ष), रामसहाय पांडे विश्व हिंदू परिषद ,कमलेश मिश्रा, सत्यनाराय सिंह, कैप्टन रामगुण मिश्रा, प्रधान संघ

अध्यक्ष राकेश तिवारी, महमूदपुर के ग्राम प्रधान संजय सिंह, 'तेली आवज' के

साहू/तेली समाज विकास ट्रस्ट का भव्य शपथ ग्रहण समारोह हुआ संपन्न

अरशद अली
मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर स्थित 'ड्रेप्स मैरिज लॉन' में 24 अक्टूबर शनिवार को शाहू/तेली समाज विकास ट्रस्ट मछलीशहर के नवनिर्मुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत हर्षोल्लास और

लेते हुए नवनिर्मुक्त पदाधिकारियों सपथ लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अनिल कुमार गुप्ता शामिल हुए



एकता के साथ संपन्न हुआ। साहू/तेली समाज विकास ट्रस्ट के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राम जी साहू ने अपने समस्त पदाधिकारियों के साथ सपथ ग्रहण किया। समाज के विकास, उत्थान और एकजुटता का संकल्प

और उन्होंने नव निमुक्त अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दिए। इस कार्यक्रम के संयोजक धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष श्याम सुंदर गुप्ता, महामंत्री मुन्शी लाल गुप्ता, सचिव संतोष कुमार गुप्ता आदि लोग उपस्थित हुए।

काशीगांव में गांजा बेचने वाली महिला गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर क्षेत्र में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण शाखा ने एक महिला को गांजा बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से कुल 2,344 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत ₹1,17,200 बताई गई है। इसके अलावा नकदी, मोबाइल फोन और अन्य सामान सहित कुल ₹1,37,440 का माल जब्त किया गया है। काशीगांव पुलिस स्टेशन द्वारा जारी प्रेस नोट क्रमांक 218/2026 के अनुसार, 19 अक्टूबर 2026 को पुलिस के ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को गुप्त मुखबिर से सूचना मिली थी कि मीरा रोड पूर्व के काशीगांव स्थित डाचकुलपाड़ा क्षेत्र के तोयबानगर में एक कमरे के अंदर महिला और एक अन्य व्यक्ति गांजे जैसे नशीले पदार्थ की बिक्री कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध प्रकटीकरण टीम ने संबंधित अधिकारियों के मार्गदर्शन में मौके पर जाल बिछाया। इस दौरान एक महिला को गांजा बेचेते हुए पाए जाने की बात पुलिस ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कही है। पुलिस ने गिरफ्तार महिला की पहचान हुमेरा उमैर खान (28 वर्ष), निवासी तोयबानगर, डाचकुल पाड़ा काशीगांव, मीरा रोड पूर्व के रूप में की है। कार्रवाई के दौरान उसके पास से 2.344 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। गांजे की कीमत 1,17,200 आंकी गई है। नकदी, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री मिलाकर कुल 1,37,440 का माल जब्त किया गया। इस मामले में काशीगांव पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 583/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ स्वाफक औपधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 की धारा 8(क), 20(ब)(ii)(ब) और 29 के तहत मामला दर्ज किया है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाईवह कार्रवाई मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अपर पुलिस आयुक्त संयोज शिंदे, पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण तथा सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगले के मार्गदर्शन में की गई। काशीगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटील के नेतृत्व में अपराध प्रकटीकरण टीम के अधिकारियों एवं कमचारियों ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

घाटों पर भीड़, सुरक्षा का घेरा, योगी ने परखी एयर शो की तैयारी



वाराणसी. गंगा की लहरों के ऊपर भारतीय वायुसेना के शौर्य का साक्षी बनने को आतुर काशी में रविवार को होने वाले एयर शो से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तैयारियों की कमान अपने हाथ में ले ली। प्रधानमंत्री के आगमन और कार्यक्रम के दौरान उमड़ने वाली भारी भीड़ के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने शनिवार को सर्किट हाउस में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा, यातायात, सफाई और जनसुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। उनका स्पष्ट निर्देश था कि सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद हो, लेकिन आम लोगों को गंगा घाटों तक पहुंचने में अनावश्यक परेशानी न हो। इसके लिए बिना जरूरत बैरिकेडिंग से बचने और भीड़ प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था करने पर विशेष जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एयर शो के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के घाटों पर पहुंचने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि लोगों की सुविधाजनक आवाजाही सुनिश्चित करना भी है। घाटों तक पहुंचने वाले रास्तों पर व्यवस्था दुरुस्त रखने, पर्याप्त पार्किंग स्थल उपलब्ध कराने, रूट डायवर्जन को प्रभावी बनाने और यातायात को सुचारु रखने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री के आगमन से जुड़े सभी महत्वपूर्ण स्थलों के साथ गंगा घाटों पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने गंगा घाटों की अतिरिक्त सफाई, पर्याप्त शौचालय और पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने उन्हें तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि घाटों पर सिल्ट सफाई

शौर्य के महोत्सव पर योगी की नजर, आज काशी आएंगे मोदी

नमोघाट पर मुख्यमंत्री ने परखी

तैयारियां, सुरक्षा से यातायात

प्रबंधन तक चाक-चौबंद

व्यवस्था के निर्देश

वाराणसी। गंगा की लहरों के ऊपर भारतीय वायुसेना के शौर्य प्रदर्शन के लिए काशी सजकर तैयार है। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नमोघाट पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने आयोजन स्थल की व्यवस्थाएं परखीं और अधिकारियों को सुरक्षा, यातायात प्रबंधन तथा आमजन की सुविधाओं को लेकर जरूरी निर्देश दिए। गंगा के आसमान में राफेल, सुखोई और तेजस जैसे लड़ाकू विमानों के करतबों ने पहले ही काशीवासियों में रोमांच भर दिया



है। अब प्रधानमंत्री की मौजूदगी में एयर शो का समापन समारोह खास होने जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी ली और आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। एयर शो के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन पर विशेष जोर है। नमोघाट से अस्सीघाट तक गंगा के ऊपर हो रहा वायुसेना का प्रदर्शन

टोरेंट हटाओ, दिवा बचाओ की मांग को लेकर बहुजन समाज पार्टी का धरना प्रदर्शन



दिवा, मुंबई। दिवा में टोरेंट पावर के खिलाफ बहुजन समाज पार्टी की ओर से टोरेंट हटाओ, दिवा बचाओ के नारे के साथ विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इस आंदोलन के माध्यम से टोरेंट पावर से जुड़ी समस्याओं को लेकर विरोध जताते हुए संबंधित अधिकारियों का ध्यान स्थानीय नागरिकों की मांगों की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया गया।

प्रदर्शन स्थल पर लगाए गए बड़े बैनर के माध्यम से बहुजन समाज पार्टी ने अपनी मांगों को जनता के सामने रखा। बैनर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय पदाधिकारियों के फोटो भी लगाए गए हैं। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि टोरेंट पावर से जुड़े मुद्दों पर उचित कार्रवाई की जाए और स्थानीय नागरिकों को राहत मिले। आंदोलन के माध्यम से संबंधित प्रशासन और अधिकारियों तक जनता की मांगें पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस आंदोलन को लेकर दिवा क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

धनुष यज्ञ, परशुराम-लक्ष्मण संवाद एवं श्रीराम विवाह प्रसंग ने मोहा दर्शकों का मन



मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्री आदर्श रामलीला उपसमिति, बोरोवली के तत्वावधान में आयोजित रामलीला महोत्सव के अंतर्गत शनिवार, 24 अक्टूबर 2026 को पं. रामजस उपाध्याय रामलीला मैदान, बोरीवली पश्चिम में धनुष यज्ञ, परशुराम-लक्ष्मण संवाद तथा श्रीराम विवाह प्रसंग का भावपूर्ण एवं प्रभावशाली मंचन किया गया। कलाकारों के सजीव अभिनय, आकर्षक वेशभूषा और ओजपूर्ण संवादों ने दर्शकों को रामायण के पौराणिक प्रसंगों से रूबरू कराया। शिव धनुष भंजन के दृश्य पर गुंजे जयकारे रामलीला मंचन के दौरान सीता स्वयंवर का दृश्य दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। भगवान श्रीराम द्वारा भगवान शिव के धनुष का भंजन करने के प्रसंग ने उपस्थित दर्शकों में उत्साह भर दिया। कलाकारों ने अपने अभिनय के माध्यम से इस महत्वपूर्ण प्रसंग को जीवंत कर दिया, जिससे पूरा रामलीला मैदान भक्तिमय वातावरण में ढूब गया। इसके बाद परशुराम और लक्ष्मण के बीच हुए संवाद का ओजपूर्ण मंचन किया गया। दोनों पात्रों के बीच संवादों की प्रभावशाली प्रस्तुति ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। कलाकारों ने अपने अभिनय और संवाद अदायगी से इस प्रसंग की गंभीरता एवं भावनात्मक प्रभाव को मंच पर साकार किया। श्रीराम और माता सीता के विवाह से भक्तिमय हुआ माहौल धनुष यज्ञ और परशुराम-लक्ष्मण संवाद के बाद भगवान श्रीराम एवं माता सीता के विवाह प्रसंग का भव्य मंचन किया गया। विवाह के मंगलमय दृश्य, धार्मिक संगीत और जय श्रीराम के जयघोष से रामलीला मैदान का वातावरण भक्तिमय हो उठा। दर्शकों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ रामलीला का आनंद लिया।

भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने का उद्देश्य रामलीला महोत्सव का मुख्य उद्देश्य भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादों, त्याग, प्रेम और धर्म के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना तथा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं से परिचित करना है। इस प्रकार के सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन समाज में नैतिक मूल्यों और पारिवारिक संस्कारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह संपूर्ण आयोजन अधिवक्ता रामकृपाल उपाध्याय की अध्यक्षता में किया जा रहा है। कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष अधिवक्ता रामकृपाल उपाध्याय तथा आयोजन समिति ने उपस्थित अतिथियों और दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया। रामलीला महोत्सव में प्रस्तुत इन प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के आदर्शों और भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं से जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

होंगे। यह आयोजन भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ह्राविंस ओवर गंगाह्थीम पर हो रहा है। एयर शो में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, तेजस और प्रचंड हेलीकॉप्टर के साथ परिवहन विमान भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। भारतीय नौसेना और थलसेना के विमान भी संयुक्त परिचालन क्षमता का परिचय देंगे। सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के करतब भी आकर्षण का केंद्र होंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा औद्योगिक विकास और सैन्य सामर्थ्य, दोनों लिहाज से अहम है। अरविंद की नई इकाई से विशेष रूप से महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, गंगा के ऊपर वायुसेना का प्रदर्शन काशी को राष्ट्रीय गौरव के एक बड़े आयोजन का साक्षी बनाएगा।

जब्त पशुओं को मान्यता प्राप्त गोशालाओं में भेजना अनिवार्य

मुंबई। महाराष्ट्र में अवैध रूप से पशुओं की दुलाई करते समय पकड़े गए या जब्त किए गए पशुओं की सुरक्षित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए महाराष्ट्र गोसेवा आयोग ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं।

आयोग ने पुलिस विभाग और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसे पशुओं को देखभाल के लिए राज्य की मान्यता प्राप्त एवं पंजीकृत गोशालाओं में स्थानांतरित किया जाए। आयोग ने अपने परिपत्र में पशुओं के संरक्षण और उचित देखभाल पर जोर दिया है। इस संबंध में पशु कूटा निवारण अधिनियम, 1960 तथा महाराष्ट्र पशु संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के साथ ही जब्त पशुओं की सुरक्षा को लेकर सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के विभिन्न फैसलों की ओर पुलिस का ध्यान आकर्षित

दीपक रेड्डी होंगे बजाज जनरल इंश्योरेंस के नए एमडी एवं सीईओ

पटना। बजाज फिनसर्व लिमिटेड की एक महत्वपूर्ण गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनी बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने दीपक रेड्डी को कंपनी का मनोनीत सीईओ नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया आईआरडीएआई की अप्रुवल के बाद वे 1 अप्रैल 2027 से कंपनी के एमडी और सीईओ का पद संभालेंगे। नए अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपने की प्रक्रिया को आसानी से पूरा करने के लिए डॉ. तपन सिंघल 31 मार्च 2027 तक कंपनी के एमडी और सीईओ बने रहेंगे। बजाज फिनसर्व लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव बजाज ने कहा कि बहुत कम लीडर्स को किसी संस्थान की शुरुआत से खड़ा करने का गौरव मिलता है। तपन उन्हीं में से एक हैं। उन्होंने बजाज जनरल इंश्योरेंस को भारत की सबसे भरोसेमंद जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक बनाने में अहम भूमिका निभाई है। भारत का इंश्योरेंस सेक्टर विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। ऐसे में दीपक तपन और उनकी टीम द्वारा राई गई मजबूत नींव को आगे बढ़ाएंगे, नए अवसरों का लाभ उठाएंगे और कंपनी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

नए ऋण पर ब्याज दर में छूट की घोषणा की

पटना : प्रौद्योगिकी आधारित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी एवं सूक्ष्म वित्त संस्था आरोहण फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने अपने मौजूदा पात्र ऋणधारकों के लिए नए ऋण पर 1.25 प्रतिशत तक की ब्याज दर में छूट देने की सीमित अवधि की विशेष योजना की घोषणा की है।यह योजना 2 अक्टूबर, 2026 से प्रभावी है।इस पहल का उद्देश्य सूक्ष्म उद्यमियों को अपने कारोबार को और सशक्त बनाने तथा त्यौहारी सीजन के दौरान बढ़ती मांग का लाभ उठाने में सहायता प्रदान करना है।

मुंबई में अवैध रूप से पशुओं की दुलाई करते समय पकड़े गए या जब्त किए गए पशुओं की सुरक्षित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए महाराष्ट्र गोसेवा आयोग ने

महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने पुलिस विभाग और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसे पशुओं को देखभाल के लिए राज्य की मान्यता प्राप्त एवं पंजीकृत गोशालाओं में स्थानांतरित किया जाए। आयोग ने अपने परिपत्र में पशुओं के संरक्षण और उचित देखभाल पर जोर दिया है। इस संबंध में पशु कूटा निवारण अधिनियम, 1960 तथा महाराष्ट्र पशु संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 1995 के प्रावधानों के साथ ही जब्त पशुओं की सुरक्षा को लेकर सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के विभिन्न फैसलों की ओर पुलिस का ध्यान आकर्षित

किया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता विशाल दिलीप जयसवाल और राधा दीपक गांधी द्वारा आयोग को दिए गए पत्रों के संदर्भ में भी यह निर्णय लिया गया है। आयोग के अनुसार, राज्य में अवैध पशु परिवहन के मामलों में पुलिस द्वारा पशुओं को पकड़ने या जब्त करने के बाद उनकी देखभाल और सुरक्षा को लेकर कई कमियां सामने आई हैं। इन समस्याओं को दूर करने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अब ऐसे पशुओं को महाराष्ट्र गोसेवा आयोग के अंतर्गत पंजीकृत 1,010 गोशालाओं में देखभाल के लिए भेजा जा सकेगा। आयोग ने निर्देश दिया है कि जब्त किए गए गाय, भैंस और बैल जैसे पशुओं के संबंध में पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करते समय यह स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाए कि पशुओं को अस्थायी

महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव को लेकर नितिन गडकरी का बड़ा दावा, कहा- पांच सीटों पर हम चुनाव जीतेंगे



मुंबई। महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बड़ा दावा किया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि इस चुनाव में बीजेपी और जनसंघ को हमेशा जीत मिली है। इस बार भी हमारे उम्मीदवार विजयी होंगे। एमएलसी चुनाव के नतीजे 27 अक्टूबर को आएंगे।मुंबई: महाराष्ट्र में हो रहे एमएलसी चुनाव में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मतदान किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि इस चुनाव में बीजेपी और जनसंघ को हमेशा जीत मिली है। इस बार भी हमारे उम्मीदवार विजयी होंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमारी जीत निश्चित होगी और पहले राउंड में ही हम जीत हासिल कर लेंगे। नारिकर उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोले ने एमएलसी चुनाव को लेकर कहा कि मतदान करके हमने मताधिकार का प्रयोग किया है। पूरे महाराष्ट्र में पांच जगहों पर चुनाव हो रहे हैं। हम आखिरी मतदाता तक पहुंचने में कामयाब हुए हैं। पीएम मोदी और सीएम देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में

विश्वास है कि भाजपा उम्मीदवारों को भारी मतों से जीत मिलेगी। इस बार शाम 5 बजे से सबकुछ स्पष्ट हो जाएगा। अमरावती निर्वाचन क्षेत्र से एमएलसी और शिवसेना उम्मीदवार किरण सरनाइक कहते हैं कि मैं

जनता का हमेशा समर्थन मिला है। मुझे विश्वास है कि इन पांच जगहों पर हम चुनाव जीतेंगे। महाराष्ट्र में तेजी से विकास हो रहा है, इसे लोग देख रहे हैं। हम पांचों जगहों पर चुनाव जीतेंगे। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कोल्हापुर में गुलाब देकर मतदाताओं का स्वागत किया और एमएलसी चुनावों में बीजेपी की जीत को लेकर भरोसा जताया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि तीन सप्ताह तक बड़े पैमाने पर प्रचार के बाद आज सुबह 8 बजे से मतदान शुरू हुआ है। मैं पुणे में मतदान करूंगा और समय मिला तो मुझे विधानसभा क्षेत्रों में जाऊंगा। मुझे

मछलीशहर में भार्गव परिवार द्वारा पांच दिवसीय श्रीराम कथा का भव्य आयोजन



उपस्थित होकर भगवान श्रीराम की महिमा का श्रवण कर रहे हैं और महाप्रसाद ग्रहण कर अपने जीवन को भक्ति, ज्ञान एवं सदाचार से आलोकित कर रहे हैं।27 अक्टूबर को हवन-महाप्रसाद के साथ कार्यक्रम का होगा समापन और 28 अक्टूबर को लग्गा भव्य मेला।कार्यक्रम का विधि-विधान से समापन 27 अक्टूबर 2026 (मंगलवार) को होगा। समापन के अवसर पर विशेष रूप से भव्य हवन और विशाल महाप्रसाद वितरण (भंडारा) का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए भार्गव परिवार द्वारा सभी श्रद्धालुओं को सादर आमंत्रित किया गया है।

वसई के चार प्रमुख समुद्र तटों के विकास की पहल, विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने किया निरीक्षण

वसई। वसई के समुद्र तटों पर पर्यटन को बढ़ावा देने और पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से वसई विधानसभा की विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित ने शनिवार को राजोड़ी, कलंब, नवापुर और अनारला समुद्र तटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों, इंजीनियरों और स्थानीय पदाधिकारियों के साथ तटीय क्षेत्रों में आवश्यक विकास कार्यों को लेकर चर्चा की।

राज्य सरकार के पर्यटन विकास निधि के माध्यम से इन समुद्र तटों पर बुनियादी सुविधाओं का विकास करना इस निरीक्षण दौरे का प्रमुख उद्देश्य रहा। वसई तालुका के समुद्र तटों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए यहां पर्यटकों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्थानीय



नागरिकों को भी इसका लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान राजोड़ी, कलंब, नवापुर और अनारला समुद्र तटों पर तटीय किनारों की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया गया। तटबंधों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक परम्पत कार्यों की जरूरत पर जोर दिया गया। इसके साथ ही मौजूदा बुनियादी ढांचे का

निरीक्षण कर विकास कार्यों की योजना तैयार करने के संबंध में संबंधित इंजीनियरों और अधिकारियों से चर्चा की गई। समुद्र तटों पर आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शौचालयों के निर्माण, पार्क एवं उद्यान विकसित करने और अन्य आवश्यक पर्यटन सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रस्तावों

की समीक्षा की गई। इन विकास कार्यों का उद्देश्य समुद्र तटों के अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बनाना, पर्यटकों की आवश्यकताओं को पूरा करना तथा स्थानीय नागरिकों के लिए भी बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों और इंजीनियरों के साथ चर्चा के आधार पर प्रस्तावित विकास कार्यों की योजना तैयार करने की दिशा में आगे की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए उपलब्ध पर्यटन विकास निधि का उचित उपयोग सुनिश्चित करने तथा संबंधित विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। वसई के समुद्र तटों पर योजनाबद्ध तरीके से बुनियादी सुविधाओं और पर्यटन संबंधी बुनियादी ढांचे का विकास होने से क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं को बढ़ावा मिलने की

उम्मीद है। साथ ही, स्थानीय नागरिकों को भी बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित के साथ भाजपा बोसूर विधानसभा अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, रामदास मेहर, भाजपा वसई-विरार शहर जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती ज्योत्सना मेहर, सुधीर मेहर, कलंब के उपसर्पंच राजेश निजाई, भरत भोईर, विजय भोईर, मयूर नाइक, देवदत्त मेहर, श्रीमती सविता ठाकुर, श्रीमती हेमलता बाल्सी, दयानंद भोईर और निनाद नाइक सहित स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। वसई के समुद्र तटों पर पर्यटन सुविधाओं के विस्तार, तटीय बुनियादी ढांचे में सुधार और स्थानीय क्षेत्र के विकास को गति देने के उद्देश्य से यह निरीक्षण दौरा आयोजित किया गया।